दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 134 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नई दिल्ली में रविवार, 1 नवंबर को होने वाली पार्टी की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली से पहले रामलीला मैदान में तैयारियों का जायजा लिया।

सुविचार

अपनी मेहनत से दुनिया को यह दिखा दो कि तुम क्या कर सकते हो।

डिजिटल फ्रॉड के शिकार लोगों को बैंक दे मुआवजा : सुप्रीम कोर्ट

साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की जवाबदेही तय की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत बताई है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि डिजिटल फ्रॉड के शिकार लोगों की सुरक्षा करना वित्तीय संस्थानों की जिम्मेदारी है। अगर जांच में सामने आता है कि बैंक ने जरूरी सावधानी नहीं बरती और इसी वजह से धोखाधड़ी हुई, तो पीड़ित को हुए नुकसान की कम से कम उतनी रकम की भरपाई की जानी चाहिए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने कहा कि बैंकों को असामान्य लेनदेन पर नजर रखनी होगी। अगर कोई व्यक्ति आमतौर पर 10 या 20 हजार रुपये निकालता है, लेकिन अचानक 50 हजार रुपये निकालने लगे, तो बैंक को ऐसे ट्रांजैक्शन को फ्लैग करना चाहिए। कोर्ट ने संदिग्ध लेनदेन की ऑटोमैटिक रिपोर्टिंग और ट्रांजैक्शन की पुष्टि के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन जैसे उपायों पर भी जोर दिया। चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि बैंकों का काम ग्राहकों को सुरक्षित रखना है, तो फिर वे इस जिम्मेदारी को कैसे निभा रहे हैं। कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक से अगली सुनवाई तक सभी अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची देने को कहा। पीठ ने यह भी कहा कि वह ऐसे निर्देश जारी कर सकती है, जो अलग-अलग बैंकों को मामले में पक्षकार बनाए बिना सभी वित्तीय संस्थानों पर लागू होंगे।

पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर सुनवाई दिवाली के बाद होगी



नई दिल्ली। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच पटाखों और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक टाली है, और अब दिवाली के बाद पटाखों में बेरियम की मात्रा पर विचार होगा। याचिकाकर्ताओं ने चिंता जाहिर की कि सरकार को विचार-विमर्श के लिए दो सप्ताह का समय चाहिए, जबकि पटाखों की बिक्री, हुलाई और डिलीवरी जारी है। उन्होंने ग्रीन क्रैकर्स के नाम पर बिक रहे भ्रामक लेबल वाले पटाखों पर भी सवाल उठाए, जिनकी प्रामाणिकता जांचने की कोई प्रभावी व्यवस्था या काम करने वाला क्यूआर कोड नहीं है। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि पटाखों से निकलने वाले पीएम2.5 जैसे सूक्ष्म कण फेफड़ों में पहुंचकर खून के जरिए शरीर में फैल सकते हैं। उन्होंने दिल्ली में 14-16 साल के धूम्रपान न करने वाले बच्चों के फेफड़ों में भी काले धब्बे देखने का जिक्र किया, साथ ही दिवाली के बाद अस्पतालों में सांस और गर्भावस्था संबंधी समस्याओं में वृद्धि की आशंका जाहिर की है। अपराजिता सिंह ने बताया किया कि ग्रीन पटाखे भी पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं हैं, सीएसआईआर और एनईईआरआई के अनुसार, ये सामान्य पटाखों की तुलना में केवल 30 प्रतिशत कम प्रदूषण करते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि जब गंभीर प्रदूषण पर निर्माण कार्य रोकने और स्कूलों को ऑनलाइन करने जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो पटाखों की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

नसीरुद्दीन शाह का बयान लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक : किरेन रिजिजू

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री ने की आलोचना की

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की हालिया टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। रिजिजू ने कहा कि वे अभिनेता को पसंद करते थे,लेकिन उनका असली चरित्र उन्हें देरी से पता चला है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो शेयर किया। रिजिजू ने पोस्ट में लिखा, मुझे लगता था कि नसीरुद्दीन शाह एक ऑर्डिनरी एक्टर हैं। मैं उनका सम्मान करता था और उन्हें पसंद भी करता था। मुझे कभी पता ही नहीं था कि वह एक खतरनाक अर्बन दिमागी नक्सल था। साथ ही, किरेन रिजिजू ने लिखा, मुझे उसके असली चरित्र के बारे में बहुत देर से पता चला। भारत के लोकतंत्र के लिए अत्यंत हानिकारक है। रिजिजू की ओर से शेयर वीडियो में नसीरुद्दीन शाह ने कहा,मैं फक्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं। एंटी-नेशनल,टुकड़े-टुकड़े गैंग, जो करना है करके देख लो। देख लेंगे जोर कितना बाजुए कातिल में है। यह मामला तब सामने आया जब नसीरुद्दीन शाह ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए एक वीडियो शेयर किया। अभिनेता ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उनका कहना है कि सरकार और उनके समर्थकों की ओर से उन जैसे आलोचकों को एंटी-नेशनल और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसे नाम दिए जाते हैं। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ की बहाली को लेकर चल रहा छात्रों का प्रदर्शन अब बड़े राजनीतिक और वैचारिक विवाद का रूप ले चुका है। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में तब नया मोड़ आया जब जाने-माने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने प्रदर्शनकारी छात्रों का खुलकर समर्थन किया।

गोवा के वास्को संडे मार्केट में लगी आग के बाद सीएम ने किया दौरा

पणजी। गोवा के वास्को स्थित संडे मार्केट इलाके में विगत रात करीब 10.30 बजे भीषण आग लगने से लगभग 150 दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री सावंत घटनास्थल पहुंचे। उन्हें बताया गया कि आग में व्यापारियों का दिवाली के लिए रखा सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। घटना के बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। राहत की बात यह रही कि इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि वास्को में मंगलवार रात आग लगने की दो अन्य घटनाएं भी सामने आईं थीं। इनमें से एक घटना आधी रात के आसपास तिलक मैदान के पास स्थित कार एसेसरीज़ की एक दुकान में हुई,जबकि दूसरी घटना न्यू वड्डेम इलाके में हुई। तीन अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाओं से दमकल विभाग को लगातार राहत एवं बचाव कार्य करना पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संडे मार्केट और तिलक मैदान के पास कार एसेसरीज़ की दुकान में आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न्यू वड्डेम इलाके में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटनाओं की जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सीजेआई पर पोस्ट के मामले में आखिरकार संजय राउत ने मांगी माफी



सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का दिया है निर्देश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ टिप्पणी वाली सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांग ली है। राउत ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दाखिल कर कहा कि वह पूरी तरह अपनी इच्छा से माफी मांग रहे हैं। हालांकि, माफीनामा दाखिल होने के बावजूद मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। राउत ने अपने हलफनामे में अदालत की गरिमा, अधिकार और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान जताया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उनका दावा है कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने या न्यायपालिका की गरिमा, स्वतंत्रता और अधिकार को कम करने का उनका कोई इरादा नहीं था। संजय राउत की ओर से माफी का हलफनामा दाखिल किए जाने के बावजूद बुधवार को सुनवाई के दौरान उनके पक्ष से कोई वकील पेश नहीं हुआ। अदालत के रिकॉर्ड में भी उस समय माफीनामा दर्ज नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राउत को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया। अब 17 नवंबर को होने वाली सुनवाई में शीर्ष अदालत उनके माफीनामे और मामले से जुड़े तथ्यों पर विचार करेगी। अदालत उसी दिन इस पर फैसला भी सुना सकती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट उनकी माफी स्वीकार करेगा या मामले में आगे कोई कार्रवाई करेगा। यह पूरा मामला संजय राउत की एक सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है। उन्होंने अल्बानिया में हुए हिंसक प्रदर्शनों का वीडियो साझा किया था। इसके साथ उन्होंने दावा किया था कि वहां के लोगों ने भ्रष्ट प्रधानमंत्रियों की मदद करने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट को आग के हवाले कर दिया और सरकारी इमारतों पर हमले किए। संजय राउत ने अपनी पोस्ट में भारत समेत दुनिया के अन्य देशों को भी इस घटना से सबक लेने की बात कही थी। पोस्ट सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राउत की पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर देश में अराजकता फैलाने, हिंसा को बढ़ावा देने और न्यायपालिका को धमकाने का आरोप लगाया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई थी।

महाजाम पर अड़ी कांग्रेस, राहुल गांधी व्यापारियों से मिलने को तैयार नहीं

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि दिल्ली में प्रस्तावित रैली के कारण होने वाली परेशानियों को लेकर व्यापारी उनसे केवल 20 मिनट का समय मांग रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता उनके साथ बैठक करने को तैयार नहीं हैं। भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि दीपावली से ठीक पहले इस तरह के बड़े आयोजनों से राजधानी में भारी यातायात जाम हो सकता है और आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों व खरीदारों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के अनुसार, पिछले तीन हफ्तों में दिल्ली के व्यापारियों को व्यवस्थागत रुकावटों के कारण लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। यदि कांग्रेस अपने प्रस्तावित आठ दिवसीय कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है, तो व्यापारियों को कम से कम दस हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। आरोप है कि इस रैली के दौरान दिल्ली में 15 से 20 हजार बसों के प्रवेश करने की आशंका है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

चक्रवाती तूफान अर्नब से आंध्र प्रदेश और यनम में अब तक 8 की मौत



अर्नब के कमजोर पड़ने से मिली राहत,कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। साइक्लोन अर्नब ने कल बुधवार सुबह से देर रात तक आंध्र प्रदेश और यनम के तट पर तबाही मचाई। तूफान से अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। कहीं बिजली का करंट लगने से तो कहीं पेड़ गिरने से लोगों की जान गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अर्नब ने तट पार करते समय 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ दस्तक दी,जबकि हवा की गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। यह बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान से कमजोर होकर गंभीर चक्रवाती तूफान बन गया। हालांकि,आंध्र प्रदेश और ओडिशा समेत कई इलाकों में बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक का खतरा बना हुआ है। तूफान से जुड़ी घटनाओं में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम,अनकापल्ली, काकीनाडा, कोनसीमा समेत अन्य जगहों पर 8 लोगों की जान गई। अर्नब के आने से पहले आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बड़े स्तर पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दोनों राज्यों में मिलाकर 1.8 लाख से ज्यादा लोगों को निकाला गया। तूफान के असर के चलते बुधवार को विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा आने-जाने वाली कई उड़ानें भी रद्द कर दी गईं थीं। मौसम विभाग के मुताबिक अर्नब का लैंडफॉल बापटला और विशाखापत्तनम के बीच,यनम के दक्षिण-पश्चिम में हुआ। तट पार करने की पूरी प्रक्रिया छह घंटे से ज्यादा समय तक चली। मौसम विभाग के मुताबिक तूफान का केंद्र आंध्र प्रदेश और यनम के तटीय क्षेत्र में था। यह नरसापुर से करीब 20 किलोमीटर पूर्व, यनम से 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम,काकीनाडा से 60 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और मछलीपट्टनम से 90 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में स्थित था। मौसम विभाग ने बताया कि तूफान का केंद्र पूरी तरह जमीन पर आ चुका है और तट पार करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात अर्नब के मद्देनजर आंध्र प्रदेश,पुडुचेरी,ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बात की और आपदा के सामने लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, चक्रवात अर्नब के मद्देनजर आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बात की और उन्हें आपदा के सामने लोगों की कठिनाई को कम करने के लिए हर सहायता का आश्वासन दिया।

विरार की ग्लोबल सिटी के बंद फ्लैट में मिले तीन भाई और बहन के शव

विरार। महाराष्ट्र के विरार में एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले हैं। मृतकों में दो भाई और उनकी बहन शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीनों के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि विरार पश्चिम की ग्लोबल सिटी स्थित के. एवेन्यू इमारत में यह घटना हुई। यहां एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले। इस कारण इलाके में सनसनी फैल गई। तीनों के शव गुरुवार को विंग डी के फ्लैट नंबर 1203 से बरामद किए गए। बोलिंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि बीती रात पड़ोसियों ने संबंधित फ्लैट से दुर्गंध आने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। वहां तीनों मृत अवस्था में मिले। पुलिस के अनुसार, मृतकों की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि मृतकों में से एक ने अपनी मौत से पहले मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने आत्महत्या करने की बात कही थी। हालांकि, टना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को आशंका है कि तीनों ने जहर का सेवन कर आत्महत्या की होगी।

भारत की रणनीति आतंकियों के खिलाफ परखी हुई है : राजनाथ सिंह



सेबू,(एजेंसी)। फिलीपींस के सेबू में 13वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई सिर्फ थ्योरी वाली नहीं है, बल्कि दशकों के जमीनी अनुभव और सफल ऑपरेशन से और मजबूत हुई है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादी ढांचे को खत्म करके दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्का इरादा दिखाया। भारत अपने साझेदारों के साथ यह अनुभव साझा करके सुरक्षित, स्थिर और शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में शामिल राजनाथ सिंह ने आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के सामने कहा कि भारत और आसियान की युवा आबादी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी सामर्थ्य को नई दिशा देने के लिए भारत ने मजबूत डिफेंस यूथ ब्रिज स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है, जो पीपल-टू-पीपल कनेक्टिविटी, डिजिटल इनोवेशन और कैपेसिटी-बिल्डिंग को बढ़ावा देगा। युवाओं को सशक्त बनाकर हम एक सुखद,स्थिर और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के भविष्य को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना भारत की रक्षा और विदेश नीति का मूल आधार है। एडीएमएम-प्लस की थीम हमारे भविष्य को एक साथ आगे बढ़ाना साझा जिम्मेदारी,आपसी विश्वास और सहयोग के महत्व को दर्शाती है। भारत खुला,समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है,जिसमें आसियान की केंद्रीय भूमिका और भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण हैं। भारत ने दशकों से भारतीय नौसेना के माध्यम से वैश्विक समुद्री व्यापार और महत्वपूर्ण समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। एक विश्वसनीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत नेविगेशन की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के सम्मान के साथ सुरक्षित एवं स्थिर इंडो-पैसिफिक के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिलीपींस के सेबू में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम प्लस) को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में विश्वास रखता है जो कि आपसी विश्वास,सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित हो।

अभिजीत दीपके ने इंडिया गठबंधन की रैली के लिए की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के सभी दल 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करेंगे। रैली के जरिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया रद्द करने की मांग उठाई जाएगी। अब कॉकरोच जनता पार्टी ने भी इस रैली को समर्थन देने का ऐलान किया है। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रैली के समर्थन की घोषणा की। उन्होंने लिखा, ज्ञानू को जाना ही होगा! कॉकरोच जनता पार्टी इंडिया गठबंधन की 1 नवंबर की रैली का समर्थन करती है। देश सबसे ऊपर है।

मोहब्बत की दुकान के नाम पर हमारी दुकान न बिगाड़ें : व्यापारी संघ

1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली पर व्यापारियों ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली,(एजेंसी) नई दिल्ली के सदर बाजार के सैंकड़ों व्यापारियों ने इंडिया ब्लॉक की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली पर गहरी चिंता जाहिर की है। सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से रैली को स्थगित करने की अपील की है। कारोबारियों का तर्क है कि यह समय दिवाली सहित कई बड़े त्यौहारों का है और ऐसी रैली सीधे तौर पर उनके व्यापार और ग्राहकों की सुविधा को प्रभावित करेगी। सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अगुवाई में बड़ी संख्या में व्यापारी एकजुट हुए। उन्होंने पोस्टर लहराकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से गुहार लगाई, जिसमें लिखा था,मोहब्बत की दुकान के नाम पर हमारी दुकान खराब न की जाए। व्यापारियों का मानना है कि प्रेम और सद्भाव का संदेश महत्वपूर्ण है,पर यह हजारों व्यापारियों की रोजी-रोटी की कीमत पर नहीं आना चाहिए। कनॉट प्लेस, पहाड़गंज के व्यापारी संगठनों और कैट जैसे व्यापारिक निकायों ने भी पहले ही त्यौहारी सीजन तक रैली रोकने की अपील की है, जो दिल्ली के व्यापारिक समुदाय में बढ़ती चिंता को दिखाता है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि दिवाली और अन्य पर्व पूरे साल के कारोबार के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होते हैं। इस दौरान दिल्ली के बाजारों में दूर-दूर से ग्राहक खरीदारी करने आते हैं। यदि 1 नवंबर को रैली होती है, तब यातायात बाधित होगा,जाम लगेगा और ग्राहकों को बाजारों तक पहुंचने में भारी परेशानी होगी। इसका सीधा असर बिक्री पर पड़ेगा, जिससे व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पम्मा ने राहुल गांधी से सीधे अपील करते हुए कहा,आप मोहब्बत का संदेश दीजिए, हम उसका स्वागत करते हैं, लेकिन व्यापारियों की रोजी-रोटी और उनके साल भर के इंतजार की कीमत पर नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारी किसी के कार्यक्रम का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे केवल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि त्यौहारों के नाजुक दौर में बाजारों में कामकाज सुचारु रूप से चलता रहे और आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पम्मा ने लोकतंत्र में अभिव्यक्ति के अधिकार को मानते हुए भी, व्यापारियों की आजीविका, आम जनता की सुविधा और बाजारों की व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया।



क्राइम ब्रांच ने टाइगर श्रॉफ का बयान किया दर्ज, अभिनेता ने दी जानकारी

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमले के बाद से ही जांच तेजी से जारी है। इस मामले में शामिल आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है, वहीं अब मुंबई क्राइम ब्रांच ने टाइगर श्रॉफ का भी बयान दर्ज किया है, जिसमें उन्होंने कई जानकारियां दीं। पुलिस सूत्रों मुताबिक क्राइम ब्रांच ने टाइगर श्रॉफ से घटना से जुड़े मुख्य और अहम पहलुओं पर सवाल किए। उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें फायरिंग से पहले किसी तरह की धमकी मिली थी, या हमले की कोई आशंका थी। अभिनेता ने स्पष्ट रूप से हमले से पहले किसी भी तरह की धमकी मिलने से इनकार किया। यह बयान जांच को एक नई दिशा दे सकता है, क्योंकि इससे हमलावरों के संभावित मकसद और किसी पूर्व विवाद की जानकारी मिलने में मदद मिलेगी। बता दें यह घटना 18 अक्टूबर की शाम जुहू स्थित पुष्पा नरसी पार्क पर हुई थी। टाइगर श्रॉफ फुटबॉल खेलने के बाद अपनी कार से जा रहे थे, तभी तीन बाइक सवार युवकों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। हमलावरों में से दो ने फायरिंग की कोशिश की, जिसमें एक की बंदूक जाम हो गई, जबकि दूसरे युवक ने लगातार सात राउंड फायरिंग की। इस भीषण हमले में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए, हालांकि उन्हें मामूली चोटें आई थीं। दुर्भाग्यवश,उनके ड्राइवर और एक अन्य ऑटो चालक घायल हो गए थे, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

सहकारी विकास निगम अगले 25 वर्षों का व्यापक रोडमैप तैयार करें : अमित शाह



नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के लिए अगले 25 वर्षों का व्यापक रोडमैप तैयार करने का निर्देश देते हुए गुरुवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र का प्रशासन पेशेवर होना चाहिए,जबकि उसका दृष्टिकोण सहकारिता के मूल सिद्धांतों पर आधारित रहना चाहिए। केंद्रीय मंत्री शाह ने यहां एनसीडीसी की 93वीं महापरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के ढांचे, वित्तीय संसाधन जुटाने, कामकाज में सुधार और भविष्य की कारोबारी संभावनाओं की समीक्षा के लिए सहकारिता क्षेत्र के अनुभवी प्रतिनिधियों तथा पेशेवर विशेषज्ञों का समूह गठित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुरूप सहकारिता को विकास का ऐसा सशक्त माध्यम बनाना है, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद से 25 अक्टूबर तक एनसीडीसी ने देशभर की सहकारी संस्थाओं को कुल 4.14 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता वितरित की है। वित्त वर्ष 2025-26 में निगम ने 1,27,596 करोड़ रुपये की सहायता वितरित की, जबकि इस दौरान उसका शुद्ध लाभ 1,475 करोड़ रुपये रहा। निगम की ऋण वसूली दर 99.84 प्रतिशत रही और उसका शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) स्तर शून्य दर्ज किया गया। शाह ने पिछले करीब पांच वर्षों में एनसीडीसी की प्रगति की सराहना करते हुए इस अवधि को निगम के लिए एक तरह का 'स्वर्णिम काल' बताया। उन्होंने कहा कि निगम ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी मौजूदगी स्थापित की है। लद्दाख और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में कार्यालयों का विस्तार सहकारिता आंदोलन को देश के अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि एनसीडीसी को अपनी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि बदलती जरूरतों के अनुरूप संस्थागत सुधार, वित्तीय संसाधन जुटाने की क्षमता और सहकारी संस्थाओं के साथ साझेदारी के नए मॉडल विकसित करने चाहिए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

अफीम नीति पर कांग्रेस का विरोध, पट्टे बहाल करने और भाव 50 हजार करने की मांग



मंदसौर। वर्ष 2026-27 की अफीम नीति के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों और अफीम उत्पादक किसानों ने गुरुवार को जिला अफीम अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रैली निकाली गई और केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के नाम ज्ञापन जिला अफीम अधिकारी अनंतु चटर्जी को सौंपा गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार की अफीम नीति से उत्पादक किसानों का नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे अफीम की खेती बंद करने की दिशा में बढ़ रही है, लेकिन कांग्रेस किसानों के हितों की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीति में 4.4 पर पट्टे जारी किए गए हैं, जबकि पहले 4.2 पर पट्टे दिए जाते रहे हैं। सीपीएस पद्धति में भी पट्टे देने के मापदंडों को लेकर किसानों के साथ अन्याय हुआ है। प्रदेश कांग्रेस सचिव एवं मल्हारगढ़ क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी परशुराम सिसौदिया ने कहा कि नई अफीम नीति को लेकर किसानों में आक्रोश है। उन्होंने मांग की कि डोडाचूरा में मार्फीन की मात्रा 0.2 प्रतिशत होने का हवाला देते हुए इस पर लागू एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 8/29 को हटाया जाए। वर्ष 1990-91 से अब तक तकनीकी अथवा अन्य कारणों से रोके या काटे गए सभी पात्र किसानों के पुराने पट्टे बहाल कर उन्हें दोबारा खेती का अवसर दिया जाए। सिसौदिया ने कहा कि मौसम में बदलाव, बीमारी या प्राकृतिक आपदा से अफीम की फसल नष्ट होने पर प्रभावित किसानों को अगले वर्ष अनिवार्य रूप से पुन: चीरा पद्धति के पट्टे दिए जाएं। साथ ही अफीम का भाव बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने की मांग भी उठाई। आंदोलन को पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, प्रदेश कांग्रेस सचिव सोमिल नाहटा, मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, प्रदेश कांग्रेस संयुक्त सचिव मुकेश निडर और पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह टुटेजा सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने संबोधित किया। ज्ञापन का वाचन धुंधड़का ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धाकड़ ने किया। संचालन जिला कांग्रेस के महामंत्री अनिल शर्मा ने किया। प्रदर्शन में जिला एवं ब्लॉक स्तर के कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस की प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

भानपुरा पुलिस ने डोडाचूरा तस्करी के मामले में फरार आरोपी को पकड़ा



मंदसौर। भानपुरा पुलिस ने डोडाचूरा तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नरेंद्र सिंह (35), निवासी बरखेड़ी मिट्ठू, थाना गरोठ, जिला मंदसौर के रूप में हुई है। पुलिस ने 28 अक्टूबर की रात आरोपी के घर दबिश देकर उसे पकड़ा। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर 2026 को ट्रक से 25 कट्टों में भरा कुल 481.592 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामदगी के मामले में थाना भानपुरा में अपराध क्रमांक 412/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 29 में प्रकरण दर्ज किया गया था। इस मामले में नरेंद्र सिंह फरार चल रहा था। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे एंटी नारकोटिक्स विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भानपुरा उप निरीक्षक विनय बुंदेला के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित भानपुरा पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने ली लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक



हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण कार्यो से संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित विकास कार्यो की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय सीमा में सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराएं। उन्होने कहा कि गुणवत्ता के मामले में बिल्कुल समझौता नहीं किया जाएगा। लंबित कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्माण कार्यों में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, अतिरिक्त सीईओ श्री प्रवीण इवने सहित लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहित सभी निर्माण विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

युवा संसद अधिवेशन में शामिल होने 30 अक्टूबर को मंदसौर आएंगे विधानसभा अध्यक्ष तोमर

मंदसौर। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर 30 अक्टूबर को मंदसौर पहुंचेंगे। वे यहां सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 31 अक्टूबर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थित कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित 32वें राष्ट्रीय भारतीय युवा संसद अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तोमर 30 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे मंदसौर सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां रात्रि विश्राम के बाद 31 अक्टूबर को सुबह 11 बजे युवा संसद अधिवेशन के कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे दोपहर 12:30 बजे मंदसौर से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

दलौदा पुलिस ने तीन गांवों में चलाया तलाशी अभियान, 300 लीटर महुआ लहान नष्ट

मोरखेड़ा की महिला के कब्जे से 10 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज



मंदसौर। जिले में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए दलौदा पुलिस ने गुरुवार को ग्राम बानिखेड़ी, एचली मगरा और मोरखेड़ा डेरे में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान झाड़ियों, सुनसान स्थानों पर बने टिन शेड और खाइयों में प्लास्टिक के डिब्बों में रखा करीब 300 लीटर महुआ लहान बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने अवैध शराब बनाने में उपयोग की जाने वाली सामग्री और भट्टियों को भी नष्ट किया, ताकि उनका दोबारा इस्तेमाल नहीं हो सके। कार्रवाई के दौरान ग्राम मोरखेड़ा निवासी सुनीता पति लव चौहान के कब्जे से करीब 10 लीटर कच्ची हाथ भट्टी की अवैध महुआ शराब जब्त की गई। उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर अवैध शराब की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल और एसडीओपी ग्रामीण मंदसौर गिरीश जेजुरकर के मार्गदर्शन में दलौदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अभियान चलाया। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक प्रमोदसिंह तोमर सहित दलौदा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शामगढ़ के डुंगरखेड़ी में नकली दूध बनाने की फैक्ट्री पकड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

मिल्क पाउडर, वनस्पति, यूरिया और लिक्विड सोप सहित करीब 10 लाख रुपये की सामग्री जब्त



मंदसौर। जिले के शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम डुंगरखेड़ी में पुलिस ने नकली दूध बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से दूध बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, मशीनें और अन्य सामान जब्त किया गया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा नकली खाद्य पदार्थों के निर्माण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा और सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय की टीम ने 28 अक्टूबर को ग्राम डुंगरखेड़ी में कृष्णपालसिंह और शिवराजसिंह के घर के बाड़े में दबिश दी। यहां नकली दूध बनाने का काम किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान मौके पर नायब तहसीलदार भीमसिंह खराड़ी और जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी धीरेन्द्र सिंह जादौन को बुलाया गया। खाद्य अधिकारी ने मौके से सामग्री के नमूने लिए। इसके बाद पुलिस ने सामग्री को विधिवत जब्त कर लिया। पुलिस ने मौके से मिल्क पाउडर के छह कट्टे, जिनमें प्रत्येक का वजन 25 किलोग्राम है, वनस्पति के 15 लीटर क्षमता वाले पांच डिब्बे, 14 खाली टीन, फिल्टर मिक्सर इलेक्ट्रॉनिक मशीन, गैस भट्ठा, एचपी कंपनी की गैस टंकी और यूरिया के चार कट्टे जब्त किए। इसके अलावा डीप फ्रीजर, स्टील की कोठी, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, पानी की मोटर, 40 लीटर की एक प्लास्टिक केन में भरा लिक्विड सोप, दूध भरने वाली 10 खाली प्लास्टिक केन और दूध की जांच करने वाली दो इलेक्ट्रॉनिक मशीनें भी बरामद की गईं। मामले में पुलिस ने कृष्णपालसिंह पिता बद्रीसिंह और शिवराजसिंह पिता बद्रीसिंह, दोनों निवासी ग्राम डुंगरखेड़ी, थाना शामगढ़, के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 272, 274, 275 और 110 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। कार्रवाई में शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक ओपी राठौर, प्रधान आरक्षक धनपाल जाट, आरक्षक मोकमसिंह, प्रेम कुमार, सुनील दायमा और महिला आरक्षक ऋचु सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नकली दूध-घी फैक्ट्री के दो फरार आरोपी गिरफ्तार, मिलावट के कारोबार का खुलासा



सुवासरा पुलिस ने खेजड़िया भूप में दी थी दबिश, मौके से बड़ी मात्रा में मिलावट में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गई थी जब्त

मंदसौर। जिले की सुवासरा पुलिस ने नकली दूध और घी बनाने की फैक्ट्री पर छापेमार कार्रवाई के दौरान फरार हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 27 सितंबर 2026 को ग्राम खेजड़िया भूप में दबिश देकर मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की थी। कार्रवाई के दौरान आरोपी पीरूसिंह पिता रामसिंह और रामसिंह पिता तेजसिंह मौके से फरार हो गए थे। दोनों को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 28 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा मिलावटखोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना को सूचना मिली थी कि ग्राम खेजड़िया भूप में पीरूसिंह और रामसिंह अपने घर पर नकली दूध और घी बनाने का काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के निर्देशन में सुवासरा थाना प्रभारी निरीक्षक बीडी बीरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों के घर दबिश दी थी। तलाशी के दौरान पुलिस ने 85 कट्टे मिल्क पाउडर और व्हे प्रीमिएट पाउडर, पाम ऑयल के 15 लीटर वाले सात टीन, 120 खाली टीन, 200 लीटर क्षमता के चार खाली ड्रम, दो इलेक्ट्रॉनिक फिल्टर मिक्सर मशीन, दो गैस भट्टी, इंडेन कंपनी के दो गैस सिलेंडर, यूरिया के छह भरे कट्टे, स्टील की दो कोठियां, पाम ऑयल की एक जरीकेन, तैयार नकली घी, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा और एक मोटर पंप जब्त किया था। पुलिस के मुताबिक, मिल्क पाउडर और व्हे प्रीमिएट पाउडर का इस्तेमाल नकली दूध बनाने तथा दूध में फैट बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस मामले में सुवासरा थाने पर अपराध क्रमांक 281/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 272, 274 और 275 में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। अब दोनों फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उनसे इस कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में सुवासरा थाना प्रभारी निरीक्षक बीडी बीरा, उपनिरीक्षक गेंदाल पलासिया सहित पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा।

तवा नहरों पर सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

हरदा। जिले में रबी सीजन के दौरान किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल संसाधन विभाग द्वारा तवा नहरों के महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनके माध्यम से नहरों में पानी के बहाव और वितरण पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस व्यवस्था से जल वितरण को व्यवस्थित बनाने और नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने में मदद मिलेगी। जल संसाधन विभाग की कार्यपालन यंत्री श्रीमती सोनम बाजपेयी ने बताया कि जिले में तवा नहरों के माध्यम से 1,02,068 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। इसके अलावा आमाखाल, जामुनिया और इमलीढाना तालाबों से 2,775 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि एचबीसी में अजनई, खोदियाखेड़ी, गुरदिया और झाड़पा वितरिका पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसी प्रकार एलबीसी में रेवापुर वितरिका, सामरधा वितरिका, सोनतलाई नहर के एस्केप और माचक वितरिका पर भी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से नहरों में पानी के प्रवाह और वितरण की स्थिति पर नजर रखना आसान होगा। इससे जल प्रबंधन में सुधार के साथ सिंचाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री के 31 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का संभागायुक्त श्री बनोठ ने किया निरीक्षण

अधिकारियों को समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 31 अक्टूबर को बैतूल के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस वितरण कार्यक्रम की तैयारियों का संभागायुक्त श्री श्रीकांत बनोठ ने गुरुवार को बैतूल पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल सहित हेलीपैड की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री बनोठ ने सर्वप्रथम मिलानपुर स्थित हेलीपैड पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ यादव के आगमन से संबंधित निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मुख्य कार्यक्रम स्थल पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। यहां उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई जाने वाली प्रदर्शनी , मंच निर्माण, अतिथियों के आगमन, हितलाभ वितरण तथा कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभागवार तैयारियों की समीक्षा की संभागायुक्त श्री बनोठ ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी, लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों, हितलाभ वितरण राशि का अंतरण सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पार्किंग, यातायात व्यवस्था भी दुरुस्त रखने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय सीमा में पूर्ण कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। इस अवसर पर वन संरक्षक श्री मधु वी. राज, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, डीएफओ श्री नवीन गर्ग, श्री अरिहंत कोचर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गणेश जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री गोपाल सिंह वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

ज्योत्सव पर सारंग टीम का नवा रायपुर में हैरतअंगेज हवाई प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में राज्योत्सव के मौके पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम 2 नवंबर को रोमांचक हवाई करतब दिखाएगी। यह भव्य एयर शो नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें पांच हेलीकॉप्टर आसमान में अद्भुत सामंजस्य और साहसिक प्रदर्शन करने वाले हैं। हाल ही में, मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में सारंग टीम के सदस्यों से सौजन्य मुलाकात की।

हाईकोर्ट में भारी हंगामा,जस्टिस अजय भनोट की अदालत में तोड़फोड़

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकीलों के विरोध प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया। न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत में वकीलों ने जमकर हंगामा किया. कथित तौर पर मेज-कुर्सियां फेंकीं। घटना से अदालत परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह विवाद न्यायाधीश के कथित व्यवहार को लेकर बार एसोसिएशन की नाराजगी के बाद सामने आया है। विवाद की शुरुआत 27 अक्टूबर को अदालत में बैठने की व्यवस्था को लेकर हुई थी।

एमएलसी चुनाव में कांग्रेस की करारी हार पर अमित शाह का तंज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान 'बैलेट बॉक्स इस्तीफा दो'



नई दिल्ली। चार राज्यों में विधान परिषद (एमएलसी) की 28 सीटों पर हुए चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा, 28 में से कितनी सीटें जीतीं... 0। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, बैलेट बॉक्स इस्तीफा दो। अमित शाह की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बैलेट पेपर से हुए इन चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठा चुके हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा था कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक की 28 सीटों पर बैलेट पेपर से चुनाव हुए और लोगों से पूछा था कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं। विधान परिषद की सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था। चुनाव उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में हुए। इनमें उत्तर प्रदेश के छह शिक्षक और पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, बिहार की चार, कर्नाटक की दो तथा महाराष्ट्र के तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। कर्नाटक में कांग्रेस चारों सीटों पर हार गई। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर हमला तेज कर दिया। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल लंबे समय से चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर भाजपा नेताओं की टिप्पणियां राजनीतिक बहस का विषय बन गई हैं। कर्नाटक विधान परिषद की चार सीटों के लिए हुए द्विवार्षिक चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस को करारा झटका लगा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की सभी चार सीटों पर जीत दर्ज कर कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। इस परिणाम को राज्य में भाजपा और उसके सहयोगी दल के लिए बड़ी राजनीतिक सफलता माना जा रहा है। जीत के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर निशाना साधते हुए सामाजिक माध्यमों पर तंज कसा। चुनाव में राजग की एकतरफा जीत के बाद कर्नाटक भाजपा ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर डीके शिवकुमार की एक पुरानी तस्वीर साझा की। यह तस्वीर फरवरी 2023 की है, जब शिवकुमार ने भाजपा सरकार के बजट के विरोध में अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया था। उस दौरान उन्होंने अपने सिर पर गेंदे के फूल रखे थे। इस तस्वीर को दोबारा साझा करते हुए भाजपा ने लिखा, ''डीके, हो गया भाई! विधान परिषद चुनाव में शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की चारों सीटों पर राजग का कब्जा।'' भाजपा की इस टिप्पणी को चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस नेतृत्व पर राजनीतिक कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव परिणामों को लेकर जनता दल (सेक्युलर) की युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के लाखों किसानों को देंगे बड़ी सौगात

गुजरात के बनासकांठा में डेयरी परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन होगा



गांधीनगर। गुजरात के लाखों किसानों और पशुपालकों के लिए 30 अक्टूबर का दिन खास होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने गुजरात दौरे के दौरान किसानों को बड़ी सौगात देंगे। इस अवसर पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के तहत देश के 10 करोड़ किसानों के खातों में कुल रु. 20 हजार करोड़ की राशि हस्तांतरित किए जाने की घोषणा की गई है। इनमें गुजरात के 42 लाख किसानों को रु. 1,048 करोड़ का लाभ मिलने की जानकारी दी गई है। राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री जीतू वाघाणी ने गांधीनगर में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी 30 अक्टूबर को बनासकांठा जिले के भीलड़ी-डीसा पहुंचेंगे। यहां वे बनास डेयरी से जुड़े बीबीआरसी सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी बनास डेयरी से जुड़े दो नए सीडीजी प्लांट का भूमिपूजन करेंगे,जबकि दो मौजूदा प्लांटों का विस्तार किया जाएगा। इन परियोजनाओं से डेयरी उद्योग और पशुपालन क्षेत्र को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में 25 हजार से अधिक पशुपालक प्रधानमंत्री का सम्मान करेंगे। बनास क्षेत्र में 126 स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, देश के 20 राज्यों में चिलिंग प्लांटों से जुड़े किसान और पशुपालक भी कार्यक्रम से जुड़ेंगे। गुजरात के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर भी किसानों की भागीदारी से आयोजन होंगे। बनासकांठा के कार्यक्रमों के बाद प्रधानमंत्री मोदी 30 अक्टूबर की शाम केवड़िया पहुंचेंगे। यहां वे सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेंगे। सांस्कृतिक एवं नाट्य प्रस्तुतियों के साथ एकता परेड भी आयोजित की जाएगी। इस बार एकता परेड पहली बार शाम के समय आयोजित करने की तैयारी है। सरदार पटेल के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ग्रामीण स्तर पर भी विशेष कार्यक्रम होंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा किसानों को आर्थिक सहायता देने के साथ ही गुजरात के डेयरी उद्योग, पशुपालन और राष्ट्रीय एकता के संदेश को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात विधासभा के अध्यक्ष सह बनास डेयरी के चेयरमैन शंकर चौधरी और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद रहेंगे। गुजरात सरकार के मंत्रीगण जीतू वाघाणी, ऋषिकेश पटेल और कमलेश पटेल तथा राज्य मंत्री प्रवीण माली और स्वरूपजी ठाकोर सहित कई सांसद, विधायक और सरकार के अधिकारी एवं पदाधिकारी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। डेयरी सहकारी क्षेत्र से, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के चेयरमैन डॉ. मीनेश शाह, गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, गुजरात के संबद्ध दूध संघों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक तथा बनास डेयरी के प्रबंध निदेशक संग्राम चौधरी उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा उद्योगों के विकास में एक विश्वसनीय साझेदार' है : नायब सिंह सैनी

गुजरात के उद्योगपतियों से हरियाणा में अपने कारोबार का विस्तार करने का किया आह्वान



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के उद्योगपतियों और उद्यमियों से हरियाणा में अपने कारोबार का विस्तार करने का आह्वान करते हुए कहा कि गुजरात की उद्यमशीलता और हरियाणा का मजबूत औद्योगिक आधार मिलकर दोनों राज्यों के लिए विकास और निवेश के नए अवसर पैदा कर सकते हैं। हरियाणा सरकार का उद्देश्य निवेशकों को केवल निवेश का आमंत्रण देना नहीं, बल्कि उनके कारोबार के अगले विकास चरण में एक विश्वसनीय साझेदार बनना है। मुख्यमंत्री बुधवार को गुजरात दौरे के दूसरे दिन गांधीनगर में आयोजित इन्वेस्टर रोड-शो में उपस्थित बिजनेस लीडर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में नई विनिर्माण इकाइयां, कार्यालय, गोदाम और तकनीकी केंद्र स्थापित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। गुजरात के उद्यमी अपने कारोबारी विस्तार की योजनाओं में हरियाणा को शामिल करें और प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का अध्ययन कर अपनी जरूरतों के अनुरूप निवेश की संभावनाएं तलाशें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि और कर्मभूमि गुजरात है और इस भूमि ने व्यापार,उद्योग और उद्यमशीलता के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सूरत का हीरा एवं टेक्सटाइल उद्योग,अहमदाबाद का औद्योगिक विकास तथा गुजरात के रसायन,फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र इसकी सफलता के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। वहीं , हरियाणा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि है।गुजरात के उद्यमियों का अनुभव और हरियाणा का औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स नेटवर्क परस्पर सहयोग की नई संभावनाएं खोल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। राज्य का लगभग 57 प्रतिशत क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आता है। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर हरियाणा को बड़े व्यापारिक एवं उपभोक्ता बाजारों से जोड़ते हैं। दिल्ली,चंडीगढ़ और नोएडा के हवाई अड्डों तक पहुंच भी निवेशकों, कर्मचारियों और कारोबारी साझेदारों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाती है।

चक्रवात अर्नब के चलते ओडिशा में 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगह भेजा

कई राज्यों में बारिश का अलर्ट,31 अक्टूबर तक व्यापक बारिश की संभावना



भुवनेश्वर। चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदला है। आंध्र प्रदेश के तट से गुजरने के बाद तूफान अब कमजोर पड़ रहा है, लेकिन इसका असर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के अन्य हिस्सों में व्यापक रूप से दिख रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई क्षेत्रों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। ओडिशा में 30 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि झारखंड के कई जिलों में 29 अक्टूबर तक स्कूल बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। ओडिशा में आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी के अनुसार, मलकानगिरि, कोरापुट, नबरंगपुर, रायगड़ा, गजपति और कालाहांडी सहित छह दक्षिणी जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित राहत शिविरों में स्थानांतरित किया है। राज्य भर में 2,037 चक्रवात आश्रय स्थल तैयार रखे गए हैं और राहत व बचाव कार्यों के लिए ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ),राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा अग्निशमन सेवाओं की 313 टीमें तैनात की गई हैं। एहतियात के तौर पर राज्य के 16 जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखे गए हैं, और सभी 19,143 मछली पकड़ने वाली नौकाएं भी तट पर लौट आई हैं। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि चक्रवात से अब तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल करने,सड़कों से गिरे पेड़ हटाने और राहत शिविरों में भोजन,पेयजल व चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के आदेश दिए है। काकीनाडा में कई पेड़ और लगभग 100 बिजली के खंभे उखड़ने की खबर है। चक्रवात के प्रभाव से झारखंड के रांची, पश्चिमी सिंहभूम,पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा में 29 और 30 अक्टूबर को स्कूल बंद रहेंगे।

रबी फसलों की खरीद बढ़ी, एमएसपी भुगतान 8 लाख करोड़ रुपए के पार



देश में डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए खरीद प्रक्रिया को मजबूत किया गया है

नई दिल्ली। छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 2025-26 में 3,921 लाख मीट्रिक टन हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2004-05 में 2,302 लाख मीट्रिक टन थी। साथ ही, इस दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान 2.65 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी गुरुवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। सरकार ने 30 सितंबर को रबी विपणन सत्र (आरएमएस) 2027-28 के लिए सभी निर्धारित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इसके तहत, 324 लाख मीट्रिक टन (एमटी) उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। फैक्टशीट में बताया गया, अब डिजिटल प्लेटफॉर्म खरीद और भुगतान प्रक्रियाओं की सुलभता और पारदर्शिता को बढ़ा रहे हैं। मूल्य की गारंटी, खरीद का विस्तार और तकनीक-आधारित डिलीवरी मिलकर किसानों की बाजारों तक पहुंच को मजबूत कर रहे हैं और कृषि संबंधी फैसलों में उनका भरोसा बढ़ा रहे हैं। सरकार हर साल 22 प्रमुख कृषि फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है। ये एमएसपी, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों पर आधारित होते हैं। इस साल एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए की गई है, जो 675 रुपए प्रति क्विंटल है। इसके बाद रेपसीड और सरसों (413 रुपए प्रति क्विंटल), मसूर (390 रुपए प्रति क्विंटल) और जौ (136 रुपए प्रति क्विंटल) का नंबर आता है। पिछले साल की तुलना में गेहूं और चना की एमएसपी में भी बढ़ोतरी हुई है। फैक्टशीट के अनुसार, उत्पादन लागत पर मिलने वाले रिटर्न के मामले में, गेहूं में सबसे अधिक (106 प्रतिशत) मार्जिन का अनुमान है। इसके बाद रेपसीड और सरसों (96 प्रतिशत), मसूर (92 प्रतिशत) और चना (59 प्रतिशत) का स्थान है। रबी मार्केटिंग सीजन (आरएमएस) 2027-28 के दौरान, 324 लाख मीट्रिक टन उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने का अनुमान है। फैक्टशीट में कहा गया है कि रबी फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का अच्छा दाम दिलाना और साथ ही उन्हें फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए खरीद प्रक्रिया को भी मजबूत किया गया है। 19 अक्टूबर 2026 तक, ई-संयुक्त प्लेटफॉर्म के माध्यम से 43 लाख से अधिक किसानों से उपज की खरीद की गई है। इसके तहत 37.45 लाख मीट्रिक टन से अधिक उपज खरीदी गई और किसानों के खातों में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा की गई है।

पुलिस ने गुमशुदा दो लड़कियों को उनके माता पिता को किया सुपुर्द

वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के गुमशुदा की तलाश व बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में,पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन मे अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के पर्यवेक्षण मे व सहायक पुलिस आयुक्त रोहनियां के कुशल नेतृत्व में गुमशुदा 02 बालिकाओं को थाना मण्डुवाडीह पुलिस टीम द्वारा हरियाणा से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को बुलाकर सुपुर्द किया गया। उल्लेखनीय है कि 26 अक्टूबर, 2026 को थाना मण्डुवाडीह क्षेत्रांतर्गत निवासी जोखन पाण्डेय ने अपने 02 बालिकाओं उम्र क्रमशः 19 वर्ष व 16 वर्ष जो 25 अक्टूबर, 2026 को अपने घर से नाराज होकर कहीं चली गयीं, के सम्बन्ध में थाना मण्डुवाडीह पर प्रा.पत्र दिया था। उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना मण्डुवाडीह पुलिस द्वारा गुमशुदगी नं0 079/2026 पंजीकृत किया गया, आस-पास के लोगों से पूछताछ सर्विलांस, सीडीआर और सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन से दोनों बहनों का लोकेशन अम्बाला स्टेशन हरियाणा प्राप्त हुआ। तत्पश्चात थाना मंडुवाडीह पुलिस टीम ने अम्बाला हरियाणा आरपीएफ की मदद से दोनों बहनों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

सड़कों पर नई पीढ़ी

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव-उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अत: आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर-पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल-पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

विदेशी साजिश के आरोपों में नया क्या है?

अजीत द्विवेदी

> पहली, भारत में हो रहे प्रदर्शन देश विरोधी ताकतों की साजिश हैं और दूसरी, दुनिया के कुछ देश भारत की बढ़ती ताकत से जलते हैं और इसे पसंद नहीं करते इसलिए साजिश के तहत भारत में माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये दोनों बातें भाजपा के प्रवक्ता हर जगह कह रहे हैं। भाजपा के नेता कह रहे हैं और संघ प्रमुख ने भी दोहराया कि दुनिया के कुछ देश भारत की तरक्की से जलते हैं और इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। यह बहुत पुराना नैरेटिव है। कांग्रेस का शासन रहा हो या समाजवादियों का या भाजपा का, हर सरकार विदेशी साजिश के आरोप लगाती रही है। आमतौर पर अपनी कमियों को ढकने और जनता की आंख में धूल झोंकने के लिए सरकारें इस नैरेटिव का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनिया के देश एक दूसरे के खिलाफ साजिश नहीं करते हैं। अमेरिका और रूस का शीतयुद्ध सारी दुनिया जानती है। इस समय भी अमेरिका और चीन एक दूसरे से दोस्ती भी दिखा रहे हैं और दांवपेंच भी चल रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य दोनों टकराव चल रहा है। उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच हर तरह की साजिशें चल रही हैं। चीन और जापान टकराने की हद तक तनाव में हैं।

एक शेर है कि 'सैफ अंदाज ए बयां से बदल जाती है बात, वरना इस दुनिया में कोई बात नई बात नहीं होती'। गालिब ने भी कहा है कि उनका अंदाज ए बयां बाकी सुखनवरों से अलग है। कहने का मतलब है कि बात भले नई नहीं हो लेकिन अगर उसे अलग अंदाज में कहा जाए तो सुनने वाले को अच्छा लगता है और संदेश दूर तक जाता है। परंतु राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में मंगलवार, 20 अक्टूबर को जो कहा उसमें न तो कुछ नया था और न कहने का अंदाज अलग था। उनके भाषण में मुख्य रूप से दो बातों पर जोर दिया गया। पहली, भारत में हो रहे प्रदर्शन देश विरोधी ताकतों की साजिश हैं और दूसरी, दुनिया के कुछ देश भारत की बढ़ती ताकत से जलते हैं और इसे पसंद नहीं करते इसलिए साजिश के तहत भारत में माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये दोनों बातें भाजपा के प्रवक्ता हर जगह कह रहे हैं। भाजपा के नेता कह रहे हैं और संघ प्रमुख ने भी दोहराया कि दुनिया के कुछ देश भारत की तरक्की से जलते हैं और इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। यह बहुत पुराना नैरेटिव है। कांग्रेस का शासन रहा हो या समाजवादियों का या भाजपा का, हर सरकार विदेशी साजिश के आरोप लगाती रही है। आमतौर पर अपनी कमियों को ढकने और जनता की आंख में धूल झोंकने के लिए सरकारें इस नैरेटिव का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनिया के देश एक दूसरे के खिलाफ साजिश नहीं करते हैं। अमेरिका और रूस का शीतयुद्ध सारी दुनिया जानती है। इस समय भी अमेरिका और चीन एक दूसरे से दोस्ती भी दिखा रहे हैं और दांवपेंच भी चल रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य दोनों टकराव चल रहा है। उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच हर तरह की साजिशें चल रही हैं। चीन और जापान टकराने की हद तक तनाव में हैं। पूर्वी एशिया के कई अन्य देश भी चीन की साजिशों से परेशान हैं। अगर यह बताने बैठा जाए कि कौन सा देश किसी देश के खिलाफ और देशों का कौन सा समूह किसके खिलाफ साजिश कर रहा है तो कई पन्ने भर जाएंगे। लेकिन भारत में इस बात को ऐसे कहा जा रहा है, जैसे यह कोई अद्वितीय या अभूतपूर्व बात है, जैसे पहले कभी किसी देश के साथ ऐसा नहीं हुआ है। अगर भारत की ही बात करें तो पाकिस्तान राष्ट्र नीति के तौर पर आतंकवाद को प्रश्रय देता है और भारत के खिलाफ छद्म युद्ध चलाता है। सारी दुनिया इस बात को जानती है। लेकिन संघ प्रमुख उसका जिक्र नहीं कर रहे थे। वे बहुत अमूर्त अंदाज में कह रहे थे। फिर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की बात कर रहे थे, जहां हाल के दिनों में वे लंबे प्रवास पर गए थे और वहां के भारतवंशियों को यह नसीहत देकर आए थे वे जिस देश में रहते हैं उसका सम्मान करें और उसके सच्चे नागरिक बन कर



काम करें। दूसरी ऐसी ताकत चीन हो सकता है, जिसे भारत की तरक्की पसंद नहीं हो। अब इस नैरेटिव में दो बातों का जवाब तलाशना होगा। पहली बात तो यह कि भारत ने ऐसी क्या तरक्की की है, जिससे अमेरिका और चीन परेशान हो गए हैं और दूसरी अगर दो महाशक्तियां या कोई अन्य देश भी भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है तो भारत क्या कर रहा है? वास्तविकता यह है कि भारत ने कोई खास तरक्की नहीं की है। भारत आज भी दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल है। सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में शामिल है तो सबसे खराब स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था वाले देशों में भी शामिल है। मानव विकास सूचकांक के हर पैमाने पर भारत बहुत नीचे है। 80 करोड़ लोगों को तो सरकार खुद पांच किलो अनाज दे रही है। सोचें, एक तरफ यह दावा किया जा रहा था कि भारत अब विश्वगुरू हो गया है, दुनिया में भारत का सम्मान पहले से ज्यादा हो गया है, दुनिया अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बात ज्यादा ध्यान से सुनती है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो यहां तक दावा किया कि किसी भी बड़े मुद्दे पर दुनिया के देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राय के बगैर फैसला नहीं करते हैं। फिर इस रोने, कलपने का क्या मतलब है कि कुछ देश साजिश कर रहे हैं? जहां तक दूसरी बात का सवाल है तो अमेरिका, चीन या दूसरा कोई देश साजिश कर रहा है तब भी भारत कुछ नहीं कर रहा है। चीन के साथ भारत का व्यापार बढ़ रहा है और व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है। दुनिया के सामरिक जानकार मान रहे हैं कि भारत अपनी आर्थिक जरुरतों के लिए खतरनाक रूप से चीन पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे ही अमेरिका एक निर्देश पर तेल खरीदने और बंद करने के फैसले करा रहा है। असल में विश्वगुरू होने के नैरेटिव की पोल धीरे धीरे खुल रही है। उसके बाद ही यह नैरेटिव लाया गया है कि दुनिया के देश भारत की तरक्की से जलते हैं और साजिश कर रहे हैं। अब संघ प्रमुख की पहली बात पर ध्यान दें तो उसमें भी कुछ नया नहीं है। भारत में प्रदर्शन करने वालों और सरकार से असहमति रखने वालों को विदेशी एजेंट बताना भी सत्ता पक्ष का पुराना शगल है। जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया तो उनको अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट कहा गया था। तब संघ और जनसंघ सब जेपी के साथ थे और इस आरोप का विरोध किया था। लेकिन अब अपनी सत्ता के 12 साल हो गए तो हर प्रतिरोध, हर असहमति विदेशी साजिश लगने लगी है। चाहे किसानों का आंदोलन हो या पहलवानों का आंदोलन हो या नौजवानों का आंदोलन है। हर आंदोलन के पीछे विदेशी साजिश होने के आरोप लगाए गए। सोचें, यह कितनी हैरानी की बात है कि कॉकरोच जनता पार्टी के जून और जुलाई के प्रदर्शन के बाद देश में 'जेन जी' की चर्चा शुरू हुई तो संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में युवाओं के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से ज्यादा देशभक्त है और उसके दो महीने बाद युवाओं के आंदोलन को विदेशी ताकतों की साजिश बता रहे हैं! कह सकते हैं कि असहमति और प्रतिरोध को संभालने का कोई और तरीका नहीं सूझ रहा है तो उसे विदेशी साजिश बता कर डिसक्रेडिट करने का प्रयास किया जा रहा है।

राशिफल



मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति के अंदर छिपे हुनर को पहचानने में मदद करेंगे। आज आपको करियर में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही लोगों के बीच आपकी प्रशंसा होगी। अगर आप कोई नया व्यापार शुरू करना चाहते हैं तो घरवालों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशि: आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। आज आप लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देंगे। काम पर पूरा फोकस करेंगे, आपको जल्द ही कुछ ऐसे रिजल्ट प्राप्त होंगे जिसकी लोगों को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। जो लोग टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन लाभदायक रहने वाला है।

मिथुन राशि: आज का दिन खुशियां देने वाला साबित होगा। बच्चे आज अपनी पढ़ाई का शेड्यूल बदलेंगे, पढ़ने में मन लगा रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नौकरी कर रहे लोगों के आज प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा भरोसा ना करें। छात्रों को पढ़ाई में आज और ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी, अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा। जो लोग कपड़े के व्यापार से जुड़े हैं, उनके काम की गति बढ़ेगी। माता महागौरी की कृपा से दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपको भाग्य का साथ मिलता रहेगा। आज आप खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजना बनाएंगे। वकीलों को आज किसी पुराने मुद्दे पर बड़े कानूनी सलाहकार की मदद मिलेगी, साथ ही नए क्लाइंट्स से मुलाकात होगी।

कन्या राशि : आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके कार्यों से प्रभावित होगा। आज आपके घर आपसे मिलने कोई रिश्तेदार आएंगे। आज उनके साथ अलग-अलग व्यंजनों का आनंद उठाएंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कुछ ज़रूरी कार्यों की वजह से आज आपको ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ से बचें, अपने समय का सही उपयोग करने से आपको अच्छा फल मिलेगा। आज परिवार का माहौल अच्छा बना रहेगा। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान हो सकता है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाशने की कोशिश करेंगे। विरोधी आज आपके सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। इस राशि के बच्चे स्कूल का होमवर्क पूरा करने में किसी की मदद लेंगे। करियर को बेहतर बनाने में आपको गुरु का सहयोग प्राप्त होगा, आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। दुकानदारों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। आज आप जिस भी काम में हाथ लगाएंगे, वो जरूर सफल होगा।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज का दिन कार्यों में सफलता दिलाने वाला होगा। आज आपको ज्यादा भावुक होने से बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपकी बातों को समझने की कोशिश करेंगे। आज बड़े-बुजुर्गों की मदद करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएंगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। आज आप खुद को गर्व से भरा महसूस करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी से कोई अच्छी खबर मिलेगी।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक और जीवन के अन्य पक्षों से जुड़ी समस्याओं का हल निकलेगा, कोई दोस्त आपकी मदद करेगा। शाम को आप घरवालों के साथ मिलकर अच्छा समय बिताएंगे। व्यापार के प्रति आज की गई कोशिशें भविष्य में रंग लाएंगी। सेहत के मामले में भी सब कुछ अच्छा रहेगा।

सत्तर साल जिया, मगर जाना क्या?

हरिशंकर व्यास

अपनी सत्तर वर्ष की उम्र में बुजुर्गों के जिए हुए जीवन और उनकी स्मृतियों में मैंने अपना बचपन तलाशा तो अपने ही समय को लेकर कई सवाल उठे। पचास वर्षों की पत्रकारिता में जिस भारत को देखा, जाना, समझा और लिखा, क्या वह इन लोगों के जिए हुए भारत से अलग था? या एक ही देश और समय को हम अपनी-अपनी दुनिया से अलग-अलग देखते रहे? लंबा जीना और जीवन को बड़ा जीना क्या एक ही बात है? और अब, जब मशीनें भी सोचने-लिखने लगी हैं, तब अपने जिए हुए जीवन, अपनी स्मृतियों और अनुभवों का अर्थ क्या रह जाता है? आखिर जो मैंने जिया, वह कितना समझा? जो समझा, वह कितना लिखा? और जो अब तक नहीं समझ पाया, उसे लिखने को क्या बचा है?

लिखने का बचा क्या?

मैं सत्तर वर्ष का हुआ।

न असाधारण बात है, न साधारण।

बावजूद इसके समय को लेकर मन में विचार खदबदा रहे हैं। क्यों न हों? देखते-देखते हाल के वर्षों में कितने ही हमउम्र और अपने से छोटे परिवारजन, सहपाठी और पत्रकार साथी दिवंगत हो गए। किशन मानसिंहका, जगदीप बैंस, जगदीश जोशी, जगदीप, कृष्ण चोपड़ा, शेख रियाजुद्दीनज छोटे भाई-बहन, बचपन की स्मृतियों में बसे चेहरेज। और संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एलएंडडी श्रेणी के कई वरिष्ठ सहपत्रकारों की मृत्यु के समाचार भी मिलते हुएज.। किसी के जाने का समाचार अचानक आया, किसी के बारे में पहले से बीमारी की खबर थी। कभी जिन लोगों के साथ मन मिला, काम किया, गपशप की और जिनका होना रोजमर्रा की दुनिया की हलचल थी, वे अब नहीं हैं। इन दिनों भी 'नया इंडिया' की रिपोर्टर डायरी के विवेक सक्सेना की सेहत, उसका आईसीयू में जाना-आना व्यथित किए हुए है। यों जीवन और मृत्यु के बारे में सोचने के लिए सत्तर वर्ष का होना जरूरी नहीं है। लेकिन इस उम्र में किसी के जाने का समाचार केवल उसके न रहने का समाचार नहीं होता। उसमें अपनी उम्र का बोध भी शामिल होता है। एक-एक कर वे लोग जा रहे हैं, जिनके साथ जीवन का कोई समय बीता था। किसी के साथ बचपन, किसी के साथ जवानी, किसी के साथ पत्रकारिता के दशकों का साथ। उनके जाने से केवल उनका साथ नहीं छूटता, अपने बीते हुए समय का भी कुछ हिस्सा मानो छूट जाता है। शायद इसलिए इस विजयादशमी को, जब मेरे सत्तर वर्ष पूरे हुए, तो मुझे पहली सुध उन लोगों की हुई, जिन्होंने मेरा बचपन देखा, जाना और समझा था। आखिर मैं अपने बचपन को कितना जानता हूं? उसकी कितनी यादें मेरी अपनी हैं और कितना वह समय दूसरों की स्मृतियों में बचा हुआ है? जो मैं नहीं जानता, उस मेरे बचपन को वे जानते हैं। तब क्यों न अपने जन्मस्थान लौटूं? उन लोगों के बीच बैठूं जो मुझसे उम्र में बड़े हैं, जिन्होंने मेरे माता-पिता को जाना, घर-परिवार को देखा और उस समय को जिया, जिसमें मेरा जन्म हुआ था। पर अब ऐसे लोग कितने बचे होंगे? और जो बचे हैं, उनकी स्मृतियों में क्या-क्या बचा होगा? क्या उन्हें वे बातें याद होंगी, जिनका मुझे



कोई भान नहीं? क्या उनके बताए किस्सों में मुझे अपना ही कोई अनजाना चेहरा दिखाई देगा? मन में यह भी सवाल है कि जिन लोगों ने अस्सी, नब्बे या उससे अधिक वर्ष जिए हैं, उन्होंने जीवन को कैसे जाना? क्या लंबा जीना और जीवन को भरपूर जीना एक ही बात है? क्या उम्र बढ़ने के साथ बीता हुआ समय अधिक साफ दिखाई देता है या स्मृतियां भी धीरे-धीरे धुंधली पड़ जाती हैं? अजीब है कि एक ओर अपने से छोटे और हमउम्र लोगों के जाने के समाचार हैं, तो दूसरी ओर अपने से बड़े, अभी जीवित लोगों के बीच बैठने की इच्छा! जिनके साथ जीवन का बड़ा हिस्सा बीता, वे जा रहे हैं और जिन्होंने मेरे जीवन की शुरुआत देखी थी, उनसे मिलने का समय भी अब कितना बचा है? शायद सत्तर वर्ष का होना मेरे लिए फिलहाल यही है। अपने आसपास से विदा होते लोगों की याद और अपने जन्मस्थान में बचे हुए लोगों से मिलने की बेचैनी। आखिर अपने जीवन के बारे में कितना कुछ है जो मुझे स्वयं नहीं मालूम। और फिर जो जानते हैं, वे भी कब तक रहेंगे? इसीलिए इस विजयादशमी को, अपने जन्मदिन से पहले मन में खयाल आया कि जन्मदिन पर दिल्ली में क्यों रहा जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94-95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अध्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और बेफिक्र दिनों को अपनी पूरी मस्ती में जीते थे! मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार-चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख-दुख, हंसी-गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे अधिक देखा, भोगा और समझा है। सो, क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारूं? बैठूं, बातें करूं। जानूं कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या याद रह गया है और क्या पीछे छूट गया? कितने कष्ट झेले? अपने ही कुल, वंश की तीन-चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों को वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफर उन्हें कैसा लगता है? वे कितना हंसे, कितना मन ही मन रोए? और अब जीवन को लेकर कितना संतोष है या संताप? क्या उम्र बढ़ने के साथ जीवन का अर्थ भी बदलता है या केवल उसे देखने का ढंग बदल जाता है? दिल्ली में रहते हुए उम्र का बोध कुछ और होता है। अपने काम, अखबार, खबरों और देश-दुनिया की घटनाओं के बीच दिन निकल जाते हैं। वहां उन साथियों की कमी महसूस होती है जो अब नहीं रहे। जन्मस्थान में अपने से बड़े लोगों के बीच शायद उम्र का दूसरा अर्थ है। वहां मैं उन लोगों के बीच होऊंगा, जिन्होंने मुझसे अधिक जीवन देखा है, लेकिन जिनके जीवन का हिसाब मेरे जीवन से निश्चित ही अलग, बिल्कुल अलग होगा। मूल सवाल है, लंबे समय तक जीना ही क्या बड़ी बात है? या जीवन को बड़ा जीना कुछ और है? यह सवाल मेरे अंतर्मन की उस खदबदाहट से भी जुड़ा है कि 15 अगस्त 1947 को जब भारत का जन्म एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हुआ, आधुनिकता के राष्ट्र-राज्य के खांचे में, तो उसके साथ हिंदू सभ्यता की चिरंतनता, निरंतरता की दास्तान भी जुड़ी हुई थी। बावजूद इसके आज 145 करोड़ लोगों के सामने यह यक्ष प्रश्न है कि हमारी इस अमिटता में मानव सभ्यता की दृष्टि से बड़ा जीने जैसा क्या है? हजारों वर्षों से बने रहना एक बात है, लेकिन उन हजारों वर्षों में हमने जीवन को कितना बड़ा बनाया? आखिर बड़ा जीना किसे कहें? यह सवाल व्यक्ति के लिए है, कुनबे के लिए है, तो नस्ल, देश और समूची मानवता के लिए भी है। क्या नहीं? खासकर अब, जब एआई के आने वाले समय में मनुष्य और मानवता के अर्थ ही बदलने की संभावना है? बहरहाल, फिलहाल खदबदाहट व्यक्तिगत है। सो, व्यक्ति के मायनों में ही लंबे जीने और बड़ा जीने के बीच का फर्क समझने की इच्छा है। और मैंने सचमुच विजयादशमी के दिन ओमजी, सुरेशजी, केपी, गोपाल, मामीजी और मौसी के जिए हुए जीवन से जो जाना, वह अजीब सा था। अपने सत्तर वर्षों में, खासकर कॉलेज की पढ़ाई के बाद नई दिल्ली के जेएनयू हॉस्टल से शुरू हुए पिछले पचास वर्षों में मैंने जो सोचा, जाना और लिखा, वह सब उनकी बातें सुनकर कुछ बेतुका सा लगा। वे कह रहे थे, 'हमने समय देखा है, समय को जिया है। इसमें नेहरू हों या कोई दूसरी सरकार, म्हांकी जिंदगी, लोगों की जिंदगी जसी चाल री थी, वसी ही चालती आई है'। पर हां, अब ईर्ष्या है, भूख है, दिखावा है। और घर-परिवारों का ऐसा बिखराव है कि 'अबाणू सुरेशजी की बहन की मृत्यु हुई तो वाके उठावणे में चार लोग नी आया'। जबकि रायला में ही चालीस लोगों के हजारों में फैले परिवारों में लोगों की कोई कमी नहीं। इतने लोग हैं, इतने रिश्ते हैं, मगर किसी के जाने पर चार लोग भी नहीं जुटते! और फिर अनुभवों की जुगाली करते उन चेहरों से बदलते समय के वे रंग भी जाने, जो खूब चटकीले हैं, मगर जिनमें इंद्रधनुषी छटा नहीं है। मेरा मानना है कि 1947 से कुछ वर्ष पहले जन्मे ये भाईबंद, रिश्तेदार और स्वतंत्रता के बाद जन्मे मैं तथा मेरे हमउम्र लोग, यानी स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी (मैं जिसकी कालावधि अपने पैमाने पर अगस्त 1947 से मई 1964 में नेहरू की मृत्यु तक मानता हूं), शायद एक ऐसे समय के गवाह हैं, जिसमें भारत ने चटकीलापन तो खूब पाया, मगर परिवार, समाज, धर्म, लोकव्यवहार और लोक-संवेदनाओं के इंद्रधनुषी रंग गंवाकर। पर क्या सचमुच ऐसा हुआ है? और इतनी जल्दी ऐसा निष्कर्ष भला क्यों निकालना! निश्चित ही बचपन की स्मृतियां सुनते हुए साफ लगा कि जीवन का लोक-अर्थ शायद वह नहीं है, जो बतौर पत्रकार मैंने सरकारों, नेताओं, विचारधाराओं और राजनीतिक परिवर्तनों में खोजा और समझा है। इन दिनों पुस्तक लेखन में भी, मैं जिन विषयों को प्राथमिकता दिए हुए हूं, वे भला इन लोगों की स्मृतियों में कहां हैं? इनके लिए अटपटी सी बात है कि देश, यानी भारत के बीते हुए समय में क्या अच्छा था और क्या बुरा? ऐसा क्या कुछ है जो 1947 से पहले जन्मे बुजुर्गों और स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी के जिए हुए जीवन का सारतत्त्व हो? उनके अनुभवों में समय की ऐसी कोई मीमांसा नहीं है, जिसे मैं अपनी पत्रकारिता और लेखन के पचास वर्षों में समझ पाया! मैंने पत्रकारिता के अपने पूरे पचास वर्षों में भारत को बहुत कवर किया। सरकारें बनते-बिगड़ते देखीं। सत्ता के बदलते चेहरों में अर्थ खोजे। देश की राजनीति, समाज और धर्म के बदलते रंगों पर सोचा, लिखा और कई बार अपने निष्कर्षों में ही खोया रहा। मगर बड़े-बुजुर्गों और पहली पीढ़ी के अनुभवों का हिसाब तो अलग ही है। उनकी स्मृतियों में सरकारों से पहले परिवार था। समाज की सांसें थीं। समय के साथ परिवारों और समाज के बनने-बिखरने की कहानियां थीं। सुख-दुख, रिश्ते-नाते, भूख, अभाव और बदलते व्यवहार, संवेदनाओं तथा मनोभावों की बातें थीं और आज भी वही हैं। तो क्या मैंने जिस भारत को देखा, जाना और लिखा, वह इनकी देश-अनुभूति, इनकी दीन-दुनिया से अलग था? या दोनों एक ही भारत थे, जिन्हें हम अपनी-अपनी जगह से देखते और समझते रहे? एक और सवाल उठता है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत में स्ट्रोक के बढ़ते मामलों पर डॉक्टरों की चेतावनी, 56 प्रतिशत मौतों के लिए हाई बीपी और 12 प्रतिशत में तंबाकू जिम्मेदार



स्ट्रोक का खतरा घटाने के लिए तंबाकू की लत छुड़ाना जरूरी भारत में स्ट्रोक यानी मस्तिष्काघात के बढ़ते खतरे को कम करने के लिए तंबाकू की लत छुड़ाने और उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। विशेषज्ञों ने विश्व स्ट्रोक दिवस से पहले कहा कि केवल जागरूकता अभियान चलाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए लोगों को तंबाकू छोड़ने में लगातार मदद और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी।

स्ट्रोक से होने वाली मौतों में तंबाकू की बड़ी भूमिका

भारत में स्ट्रोक से होने वाली मौतों में 12 प्रतिशत के लिए तंबाकू का सेवन जिम्मेदार था, जबकि 56 प्रतिशत मौतों का संबंध उच्च सिस्टोलिक रक्तचाप से था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हर साल तंबाकू के सेवन से करीब 13.5 लाख लोगों की मौत होती है। देश में सिगरेट के अलावा बीड़ी, खैनी, गुटखा और जर्दा जैसे उत्पादों का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। नोएडा के मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के न्यूरोसर्जरी एवं न्यूरोसाइंसेज विभाग के निदेशक डॉ. यशपाल सिंह बुंदेला ने कहा कि निकोटीन की लत के कारण लोगों के लिए तंबाकू छोड़ना मुश्किल हो सकता है। इसलिए परामर्श, निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी और अन्य प्रमाणित उपचारों की सुविधा बढ़ानी चाहिए।

युवाओं में भी बढ़ रहा स्ट्रोक का खतरा

मेट्रो ग्रुप आफ हास्पिटल्स की वरिष्ठ न्यूरोलाजिस्ट डॉ. सोनिया लाल गुप्ता ने कहा कि स्ट्रोक अब केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं रह गया है। अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और लक्षणों को पहचानने में देरी से इसका खतरा बढ़ सकता है। स्ट्रोक तब होता है, जब मस्तिष्क के किसी हिस्से में खून की आपूर्ति रुक जाती है या मस्तिष्क में रक्तस्राव होने लगता है। पर्याप्त रक्त नहीं मिलने पर कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है।

लक्षण दिखें तो तुरंत लें चिकित्सा सहायता

चेहरे का अचानक टेढ़ा होना, एक हाथ में कमजोरी, बोलने में परेशानी, संतुलन बिगड़ना और अचानक दिखाई देने में दिक्कत होना स्ट्रोक के प्रमुख संकेत हैं। इन्हें सामान्य परेशानी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सीके बिड़ला अस्पताल, पंजाबी बाग के श्वसन रोग विभाग के निदेशक डॉ. विकास मित्तल ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण के प्रभावी तरीकों पर खुले और वैज्ञानिक आधार पर चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, गर्म तंबाकू उत्पादों का उपयोग 5.3 प्रतिशत से बढ़कर 11.7 प्रतिशत हो गया। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि इन आंकड़ों से यह साबित नहीं होता कि गर्म तंबाकू उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल से सिगरेट का सेवन घटा या स्ट्रोक का खतरा कम हुआ।

बचाव के लिए जरूरी हैं नियमित जांच और सही इलाज

एम्स-दिल्ली के न्यूरोलाजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. अवध किशोर पंडित ने कहा कि तंबाकू छोड़ने के साथ ब्लड प्रेशर और मधुमेह को नियंत्रित करना भी जरूरी है। नियमित जांच, डाक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लेने से स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। विशेषज्ञों ने तंबाकू की शुरुआत रोकने, युवाओं को जागरूक करने और लत छोड़ने वालों को लगातार सहायता देने पर जोर दिया।

क्या आपका ब्लड प्रेशर दिमाग की नसों को नुकसान पहुंचा रहा है? जानें स्ट्रोक से इसका संबंध

सामान्य अर्थों में स्ट्रोक को समझें, तो यह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति ब्लॉक ब्लड वेसल (इस्केमिक स्ट्रोक) या ब्लड वेसल के फटने (हेमोरेजिक स्ट्रोक) की वजह से रुक जाती है। जीवनशैली जनित समस्याओं के चलते यह समस्या इतनी गंभीर होती जा रही है कि आज स्ट्रोक दुनियाभर में मौतों और लंबे समय तक रहने वाली विकलांगता का एक बड़ा कारण बन चुका है। हाई ब्लडप्रेशर या हाईपरटेंशन, स्ट्रोक के लिए सबसे जरूरी मॉडिफाइड रिस्क फैक्टर में से एक है। अगर आप रक्तचाप को नियंत्रित रखने की आदत डाल लें, तो इस समस्या के जोखिम को कम कर सकते हैं।

हाईपरटेंशन कैसे बढ़ाता है स्ट्रोक का रिस्क

हाईपरटेंशन ब्लड वेसल की दीवारों पर बहुत अधिक दबाव डालता है, जिससे वे धीरे-धीरे डैमेज होने लगती हैं और कई तरीकों से स्ट्रोक का रिस्क बढ़ जाता है।

- ब्लड वेसल को नुकसान : लगातार हाई ब्लडप्रेशर आर्टरीज की अंदरूनी परत को डैमेज करता है, जिससे एथेरोस्क्लेरोसिस होता है, जिसमें फैटी प्लाक जमा हो जाते हैं और ब्लड वेसल को पतला कर देते हैं।
- इस्केमिक स्ट्रोक : सिकुड़ी हुई आर्टरीज और प्लाक के फटने से रक्त का थक्का बन सकता है, जिससे दिमाग में रक्त आपूर्ति रुक जाती है।
- हेमोरेजिक स्ट्रोक : क्रोनिक हाईपरटेंशन छोटी ब्लड वेसल को कमजोर कर देता है, जिससे उनके फटने और ब्रेन में ब्लीडिंग होने का खतरा बढ़ जाता है।
- स्मॉल-वेसल डिजीज : हाईपरटेंशन ब्रेन के गहरे स्ट्रक्चर को आपूर्ति करने वाली छोटी आर्टरी को डैमेज करता है, जिससे लैकुनर इन्फार्क्ट हो सकता है और चेतना में कमी हो सकती है।

हाईपरटेंशन के अक्सर कोई खास लक्षण नहीं दिखते, जिससे रेगुलर ब्लडप्रेशर मानिटरिंग जरूरी हो जाती है। जीवनशैली में बदलाव और डाक्टर की बताई गई दवा से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने से स्ट्रोक का रिस्क काफी कम हो जाता है।

स्ट्रोक से जुड़े दूसरे रिस्क फैक्टर

स्ट्रोक के रिस्क फैक्टर को सुधार किए जाने वाले और नहीं किए जाने वाले श्रेणी में बांटा जा सकता है।

सुधार योग्य रिस्क फैक्टर

- डायबिटीज मेलिटस : उच्च रक्त ग्लूकोज ब्लड वेसल को डैमेज करता है और एथेरोस्क्लेरोसिस को तेज करता है।
- हाई कोलेस्ट्राल : बढ़ा हुआ एलडीएल कोलेस्ट्राल प्लाक बनने और आर्टरी को पतला करता है।
- स्मोकिंग और तंबाकू का इस्तेमाल : तंबाकू ब्लड वेसल को डैमेज करता है, ब्लडप्रेशर बढ़ाता है और ब्लड क्लाट बनने को बढ़ाता है।
- मोटापा : शरीर का अधिक वजन हाईपरटेंशन, डायबिटीज और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ाता है।
- शारीरिक निष्क्रियता : निष्क्रियता के चलते मोटापा, हाईपरटेंशन और मेटाबोलिक हेल्थ खराब होती है।
- खराब खानपान : अधिक नमक, सैचुरेटेड फैट और बहुत अधिक प्रोसेस्ड खाना दिल का खतरा बढ़ाता है।



- दिल की बीमारी : एट्रियल फिब्रिलेशन से दिल में खून के थक्के बन सकते हैं और दिमाग तक जा सकते हैं।
- अल्कोहाल : अधिक अल्कोहल की आदत से ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

न बदलने वाले रिस्क फैक्टर में बढ़ती उम्र, फैमिली हिस्ट्री, जेनेटिक कारण और पहले हुआ स्ट्रोक या ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआइए) शामिल हैं। हालांकि इन्हें बदला नहीं जा सकता, फिर भी दूसरे रिस्क फैक्टर को मैनेज करके ओवरआल रिस्क को काफी कम किया जा सकता है।

स्ट्रोक के शुरुआती चेतावनी संकेत

स्ट्रोक के लक्षणों को जल्दी पहचानना जरूरी है क्योंकि तुरंत इलाज से दिमाग के टिशू बच सकते हैं और रिकवरी बेहतर हो सकती है।

B.E. F.A.S.T. यह तरीका आम चेतावनी के संकेतों को पहचानने में मदद करता है :

- B बैलेंस : अचानक चक्कर आना, तालमेल में कमी या चलने में मुश्किल।
- E आंखें : अचानक धुंधला दिखना, डबल दिखना या नजर जाना।
- F चेहरा : चेहरे के एक तरफ लटकना या सुन्न होना।
- A हाथ : अचानक कमजोरी या सुन्न होना, खासकर एक हाथ या शरीर के एक तरफ।
- S स्पीच : ठीक से न बोलना, बोलने में मुश्किल या बात समझ न आना।
- T समय : कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत इमरजेंसी सर्विस को कॉल करें।

दूसरे चेतावनी के संकेतों में अचानक कन्फ्यूजन, निगलने में मुश्किल और बिना किसी साफ़ वजह के अचानक, तेज सिरदर्द शामिल हैं। अगर स्ट्रोक का शक हो, तो तुरंत इमरजेंसी मेडिकल मदद लें। लक्षणों के शुरू होने का समय नोट करें, खाना या पानी न दें और मेडिकल प्रोफेशनल्स की सलाह के बिना एस्पिरिन देने से बचें, क्योंकि स्ट्रोक में ब्लीडिंग हो सकती है। जो लक्षण कुछ ही मिनटों में गायब हो जाते हैं, वे टीआइए का संकेत हो सकते हैं और उन्हें तुरंत जांच की भी जरूरत होती है।

जीवनशैली में करें सुधार

इससे स्ट्रोक के खतरे को काफी कम कर सकते हैं।

- ब्लड प्रेशर कंट्रोल करें : इसकी नियमित निगरानी करें और बताई गई दवा लगातार लेते रहें।
- संतुलित आहार लें : फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां और नट्स खाएं। नमक, फ्राइड फूड और सैचुरेटेड फैट कम करें।
- नियमित व्यायाम करें : हर सप्ताह कम से कम 150 मिनट की मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम करने का लक्ष्य रखें, जैसे तेज चलना या साइकिल चलाना।
- धूमपान बंद करें : तंबाकू प्रोडक्ट और सेकंड हैंड स्मोक से बचें।
- वजन सही रखें : धीरे-धीरे वजन कम करने से ब्लडप्रेशर, कोलेस्ट्राल और ग्लूकोज कंट्रोल में सुधार हो सकता है।
- डायबिटीज और कोलेस्ट्राल को मैनेज करें : रेगुलर चेक-अप करवाएं और सही इलाज करवाएं।
- नींद बेहतर करें : अधिक अल्कोहल लेने से बचें, सही नींद की आदतें बनाए रखें और जब संकेत मिले तो स्लीप एप्निया की जांच करवाएं।

चेतावनी के संकेतों को पहचानना, इमरजेंसी इलाज करवाना और बदलने लायक रिस्क फैक्टर को कंट्रोल करना जरूरी है। एक स्वस्थ जीवनशैली, नियमित मेडिकल जांच और सही दवाएं स्ट्रोक के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती हैं और लंबे समय के लिए स्वास्थ्य में सुधार ला सकती हैं।

रोज कैल्शियम लेकर भी हड्डियां रह सकती हैं कमजोर और एक्सरसाइज के बिना क्यों बेकार है मेहनत



अक्सर लोग डॉक्टर से एक ही सवाल पूछते हैं, डॉक्टर साहब, मैं रोज कैल्शियम की गोली खा रहा हूं, तो मेरी हड्डियां तो बिल्कुल ठीक होंगी ना? सच्चाई यह है कि केवल कैल्शियम खा लेने से हड्डियां मजबूत नहीं हो जातीं। आपके शरीर को इसे सोखने और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए सही सिग्नल की जरूरत होती है। यहीं पर विटामिन डी, एक्सरसाइज और आपकी डाइट का असली रोल शुरू होता है।

बिना विटामिन-डी के कैल्शियम है बेकार

कैल्शियम को ईंटों की तरह समझें और विटामिन डी को उस मजदूर की तरह जो इन ईंटों को सही जगह पर लगाता है। आप चाहे जितना कैल्शियम खा लें, लेकिन अगर शरीर में विटामिन डी की कमी है, तो कैल्शियम पचेगा ही नहीं। भारत में विटामिन डी की कमी बहुत आम है। दिनभर ऑफिस में काम करने वाले आईटी प्रोफेशनल्स, घर में रहने वाली महिलाएं और कम बाहर निकलने वाले बुजुर्ग अक्सर इसके शिकार होते हैं। बदन दर्द, थकान, पैरों में दर्द और कमजोरी, ये इसके बहुत सामान्य से लक्षण हैं।

धूप और खानपान से कैसे करें कमी पूरी?

धूप आपके शरीर में विटामिन डी बनाने में मदद करती है, लेकिन आपको कितनी धूप चाहिए यह आपकी त्वचा, उम्र और आप बाहर कितना समय बिताते हैं, उस पर निर्भर करता है। सुबह 15-20 मिनट की धूप लेना फायदेमंद है, लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। आप अपनी डाइट में फैटी फिश, अंडे की जर्दी, और फोर्टिफाइड दूध और अनाज शामिल कर सकते हैं। हालांकि, अगर कमी ज्यादा है, तो केवल धूप और खाने से काम नहीं चलेगा। डॉक्टर से अपना लेवल चेक कराएं और तभी सप्लीमेंट लें, क्योंकि बिना जांच के हाई डोज लेना नुकसानदेह भी हो सकता है।

एक्सरसाइज है हड्डियों की असली दवा

जब आप चलते हैं, सीढ़ियां चढ़ते हैं, डांस करते हैं या वजन उठाते हैं, तो आप अपनी हड्डियों को यह संकेत देते हैं कि उन्हें मजबूत रहने की जरूरत है। वहीं, दिनभर कुर्सी पर बैठे रहने से इसका बिल्कुल उल्टा असर होता है। पैदल चलना और सीढ़ियां चढ़ना बेहतरीन एक्सरसाइज हैं। हल्का वजन या रेजिस्टेंस बैंड उठाना भी फायदेमंद है क्योंकि इससे वे मांसपेशियां बनती हैं जो आपके जोड़ों और हड्डियों को सुरक्षित रखती हैं। बुजुर्गों के लिए इसका एक और बड़ा फायदा है- बेहतर बैलेंस। ज्यादातर फ्रैक्चर सिर्फ कमजोर हड्डियों की वजह से नहीं, बल्कि गिरने की वजह से होते हैं। बैलेंस सही रहेगा, तो आप कम गिरेंगे और फ्रैक्चर भी कम होंगे। इसके लिए भारी वर्कआउट की नहीं, बल्कि उम्र और सेहत के हिसाब से नियमित मूवमेंट की जरूरत है।

डाइट का मतलब सिर्फ कैल्शियम नहीं है

दूध, दही, पनीर, रागी, तिल और हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम के बेहतरीन स्रोत हैं, लेकिन हड्डियों के ढांचे को बनाने के लिए प्रोटीन भी उतना ही जरूरी है। प्रोटीन के बिना हड्डियां बेहद नाजुक हो जाती हैं। इसके अलावा, फलों, सब्जियों, दाल और साबुत अनाज वाली बैलेंस डाइट से आपको मैग्नीशियम, विटामिन के और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। ध्यान रहे कि स्मोकिंग, बहुत ज्यादा शराब पीना और लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना आपकी हड्डियों को चुपचाप बर्बाद कर देते हैं। अगर आप इन बुरी आदतों को छोड़ देते हैं, तो हड्डियां तेजी से रिकवर होती हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह के न लें सप्लीमेंट्स

सिर्फ इसलिए कैल्शियम और विटामिन डी की गोलियां न खाएं क्योंकि आपका पड़ोसी ऐसा कर रहा है। जरूरत से ज्यादा कैल्शियम से किडनी में पथरी और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप मेनोपॉज के दौर से गुजर रही हैं, थोड़ा-सा गिरने पर भी आपको फ्रैक्चर हो चुका है, आप लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं या हमेशा बदन दर्द रहता है, तो अपने डॉक्टर से बात करें। एक साधारण ब्लड टेस्ट और बोन डेंसिटी स्कैन से यह साफ हो जाएगा कि आपको असल में किस चीज की जरूरत है। मजबूत हड्डियां केवल कैल्शियम से या रातों-रात नहीं बनतीं, बल्कि यह जीवन भर की प्रक्रिया है। कैल्शियम से भरपूर खाना, सही मात्रा में विटामिन डी, नियमित एक्सरसाइज और एक हेल्दी लाइफस्टाइल मिलकर असली फर्क पैदा करते हैं। इसकी शुरुआत जल्दी करें और लगातार इसका पालन करें। बुढ़ापे में जब आप आजाद, एक्टिव और दर्द-मुक्त रहना चाहेंगे, तब आपकी यही मजबूत हड्डियां आपका सबसे बड़ा सहारा बनेंगी।



मिनी स्ट्रोक को इग्नोर करना पड़ सकता है भारी!



मिनी स्ट्रोक को इग्नोर करना पड़ सकता है भारी! बड़े खतरे से बचने के लिए जरूर जान लें ये दो सबसे कारगर तरीके स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें समय पर इलाज मिलना बहुत जरूरी है। यह एक ऐसी न्यूरोलॉजिकल कंडिशन है, जो विकलांगता और मौत का भी कारण बन सकती है। इसलिए स्ट्रोक को समय पर पहताना और बचाव करना बेहद जरूरी है। स्ट्रोक से बचाव में तो तरह के प्रिवेंशन शामिल होते हैं। पहला प्राइमरी प्रिवेंशन और दूसरा सेकेंडरी प्रिवेंशन। इन दोनों तरीकों के बारे में जानकर स्ट्रोक के खतरे को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

प्राइमरी प्रिवेंशन

इसका मतलब होता है पहली बार स्ट्रोक आने से रोकना, यानी लाइफस्टाइल में बदलाव करके स्ट्रोक के रिस्क को कम करना। इसमें स्ट्रेस मैनेजमेंट, प्रदूषण के संपर्क में कम आना, अच्छी और पूरी नींद लेना, नियमित रूप से एक्सरसाइज करना और स्मोकिंग छोड़ना शामिल हैं। साथ ही, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर कंट्रोल करना भी उतना ही जरूरी है।

सेकेंडरी प्रिवेंशन

सेकेंडरी प्रिवेंशन उन लोगों के लिए बेहद जरूरी है, जिन्हें पहले स्ट्रोक या टीआईए आ चुका है। टीआईए को मिनी स्ट्रोक भी कहा जाता है और ये तब होता है, जब दिमाग के किसी हिस्से में ब्लड फ्लो रुक जाता है, जिसके कारण स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देते हैं और फिर ठीक हो जाते हैं। हालांकि, ये भविष्य में आने वाले किसी बड़े स्ट्रोक की चेतावनी हो सकता है। इसलिए दोबारा स्ट्रोक से बचने के लिए मरीजों को डॉक्टर की सलाह से अपनी दवाएं लेनी चाहिए। डॉक्टर्स एंटीप्लेटलेट या एंटीकोआगुलेंट दवाइयां दे सकते हैं, कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवाएं, हाई बीपी और डायबिटीज कंट्रोल करने वाली दवाएं भी दे सकते हैं। साथ ही, कुछ मरीजों को डॉक्टर की सलाह के मुताबिक विटामिन सप्लीमेंट्स की भी जरूरत पड़ सकती है।

ब्लड थिनर्स और दिल से जुड़ी सावधानियां

कुछ बुजुर्गों में एट्रियल फाइब्रिलेशन या दिल से जुड़ी दूसरी समस्याएं पाई जाती हैं। इसके कारण दिल में खून के थक्के बन सकते हैं। ऐसे मरीजों को स्ट्रॉन्ग ब्लड थिनर्स की जरूरत पड़ सकती है। कई बार मरीज ये नहीं जानते कि इन दवाओं को लगातार लेते रहना उनके लिए कितना जरूरी है और वे अक्सर डॉक्टर की दवाएं लेना बंद कर देते हैं, जो खतरनाक साबित हो सकता है।

गर्दन की आर्टरीज की जांच

दिमाग तक खून पहुंचाने वाली गर्दन की आर्टरीज में रुकावट का पता कैरोटिड डॉपलर अल्ट्रासाउंड के जरिए लगाया जा सकता है। ये एक नॉन इंवेसिव टेस्ट है, जिसमें गर्दन की आर्टरी में रुकावट या सिकुड़न का पता लगाने के लिए साउंड वेव्स का इस्तेमाल किया जाता है। टेस्ट रिजल्ट के हिसाब से डॉक्टर मरीज को दवाएं या स्टेंटिंग जैसी प्रक्रिया की सलाह दे सकते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

क्या लड़ने के बजाय सऊदी को बचाने मुनीर हूतियों को पैसे देकर रुकवाना चाहते हैं हमले?

हूती विद्रोहियों को हमले रोकने के बदले 1 बिलियन डॉलर देने की पेशकश की



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर जब सऊदी अरब की मदद करने की भूमिका में आए तो उम्मीद थी कि उनकी सैन्य ताकत का दबदबा दिखेगा, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने कहानी में ऐसा मोड़ ला दिया है कि सवाल उठने लगे हैं। सऊदी को बचाने पहुंचे मुनीर क्या हूतियों के सामने पैसे देकर हमले रुकवाने का रास्ता सुझा रहे हैं? मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने यमन के हूती विद्रोहियों को हमले रोकने के बदले 1 बिलियन डॉलर देने की पेशकश की। रिपोर्ट में यह भी दावा है कि मुनीर तेहरान में हुई बातचीत का हिस्सा थे यानी जिस मिशन को सऊदी की सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा था, उसकी चर्चा अब हूतियों को एक अरब डॉलर देने की पेशकश तक पहुंच गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसिम मुनीर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सामने सरेंडर कर दिया था। हालांकि बाद में पाक ने अपनी जीत का हर तरफ दावा भी किया। भारत ने अपने सैन्य अभियान को सफल बताया था। अब सऊदी अरब से जुड़ी इस रिपोर्ट ने मुनीर की भूमिका पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या सऊदी अरब को सुरक्षित रखने की कोशिश अब हूतियों को आर्थिक पेशकश तक पहुंच गई है? क्या यह दबाव कम करने की कूटनीति है या हमले रुकवाने के लिए बड़ी कीमत चुकाने की कोशिश? इजराइली अखबार ने खाड़ी क्षेत्र के राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान तेहरान पहुंचे थे। वहां हूतियों के साथ सीजफायर कराने को लेकर बातचीत हुई। इस प्रक्रिया में ईरान, पाकिस्तान और तुर्की के प्रतिनिधियों के शामिल होने की बात कही गई है। मुनीर और तुर्की की खुफिया एजेंसी के प्रमुख इब्राहिम कालिन भी बातचीत का हिस्सा थे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि सऊदी अरब ने हूतियों को 1 बिलियन डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। एक सूत्र ने यहां तक दावा किया कि सऊदी रक्षा मंत्री अपने सैन्य विमान में रकम लेकर तेहरान पहुंचे थे। बता दें यमन के हूती विद्रोही सऊदी अरब के एयरपोर्ट और तेल ठिकानों को निशाना बनाते रहे हैं। इससे सऊदी अरब की सुरक्षा और तेल निर्यात पर दबाव पड़ा है। ऐसे में रियाद हमले रोकने के लिए बातचीत का रास्ता तलाश रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पहले भी हूतियों को आर्थिक मदद देने और बदले में सीजफायर बनाए रखने को लेकर कोशिश हुई थी. लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति पर विवाद बना हुआ है। मालूम हो सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच रक्षा सहयोग का समझौता है। ऐसे में सवाल है कि क्या सैन्य सहयोग के साथ कूटनीतिक रास्ता अपनाना जरूरी हो गया है? या फिर क्षेत्रीय तनाव ने सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर ला दिया है?



इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतों की नीतियों के खिलाफ बैनर लेकर प्रदर्शन करते हुए।

तालिबान ने किया पाक सैन्य ठिकानों पर हमला, 13 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

हमले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों को भी नुकसान पहुंचने का किया दावा

काबुल। डूरंड रेखा पर बुधवार को तालिबान ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 13 पाकिस्तानी सैनिक और नागरिक मारा गया। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक तालिबान ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, जिसके बाद अंगूर अड्डा बाजार के आसपास भीषण झड़पें हुईं। इस हमले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों को भी नुकसान पहुंचने का दावा किया है। यह घटना पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों को और बिगाड़ सकती है। मिसाइल हमले के बाद सीमा पर टकराव और तेज हो गया। सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि पाकिस्तान की कई सीमा चौकियों को नुकसान पहुंचने के बाद पाकिस्तानी बलों ने अफगान तालिबान की गोलाबारी का जवाब दिया। इसी दौरान तालिबान लड़ाकों ने उन सीमा चौकियों पर दोबारा कब्जा करने की कोशिश की जिन्हें वे पहले खो चुके थे। इस कोशिश ने संघर्ष को और भड़का दिया और अंगूर अड्डा बाजार के आसपास भी लड़ाई फैल गई। जानकारी के मुताबिक इस टकराव में आम लोग भी प्रभावित हुए हैं, हालांकि हताहतों की संख्या और मृतकों की अलग-अलग पुष्टि नहीं दी गई है। यह टकराव ऐसे समय में हुआ है जब इस्लामाबाद और काबुल के रिश्ते पहले से तनावपूर्ण हैं और दोनों एक-दूसरे पर उग्रवादी गुटों को समर्थन देने के आरोप लगा रहे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की शांति भंग करने और विरोधी गुटों की मदद करने का आरोप लगाया है। सीमा पर तनाव का असर दोनों देशों के कारोबार पर भी पड़ा है। प्रमुख सीमा चौकियां बंद होने से व्यापार और माल की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान ज्वाइंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अफगान चैप्टर के उपाध्यक्ष मोहम्मद यूनुस मोहम्मंद के मुताबिक दोनों देशों के बीच व्यापार और ट्रांजिट गतिविधियां प्रभावी रूप से रुक गई हैं।

ईरान-अमेरिका के बीच जंग रोकने कतर ने दिया शांति प्रस्ताव

दोहा। अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए कतर के बिचौलियों ने ईरान को एक नया शांति प्रस्ताव सौंपा है। इस नए प्रस्ताव में तेहरान और वॉशिंगटन दोनों पक्षों की मुख्य चिंताओं को दूर करने के लिए सात दिन की स्पष्ट टाइमलाइन तय की गई है। बातचीत से जुड़े एक अधिकारी के अनुसार, ईरान इस हफ्ते के आखिर तक इस ड्राफ्ट पर अपना जवाब देगा। प्रस्तावित समझौते में रोजाना विश्वास बढ़ाने वाले कदम शामिल हैं, जिन्हें दोनों पक्षों को क्रमबद्ध तरीके से पूरा करना होगा। यह टाइमलाइन अगले हफ्ते की शुरुआत में शुरू हो सकती है और कई देश इस समझौते की गारंटी देने वाले हो सकते हैं। यह शांति प्रस्ताव ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर नए हमलों की आशंका लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान पर हमला करने की चेतावनी दोहराई है, जबकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी इस हफ्ते ईरान पर हमले का आदेश देने की चिंता जताई जा रही है। नेतन्याहू फिलहाल आम चुनाव में एक और कार्यकाल के लिए मैदान में हैं। इन तनावपूर्ण हालातों के बीच कतर और पाकिस्तान मिलकर इस कूटनीति और शांति प्रयासों में सबसे आगे हैं।

शरीफ-मुनीर का गठजोड़ पाकिस्तान में अघोषित तानाशाही स्थापित करने जैसा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को इस्तीफा भेजकर पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर न्यायपालिका को अपने इशारों पर नचाने की गंभीर साजिश रचने का सीधा आरोप लगाया है। उनका यह कदम 26वें और 27वें संवैधानिक संशोधनों के खिलाफ एक मुखर विरोध माना जा रहा है, जिन्हें सत्ता पक्ष न्यायपालिका पर सरकारी और सैन्य नियंत्रण बढ़ाने के लिए थोपना चाहता है। इन विवादित संवैधानिक संशोधनों का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान की स्वतंत्र न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करना और न्यायाधीशों के तबादलों और उनकी नियुक्तियों की चाबी सरकार और सेना के हाथों में देना है।

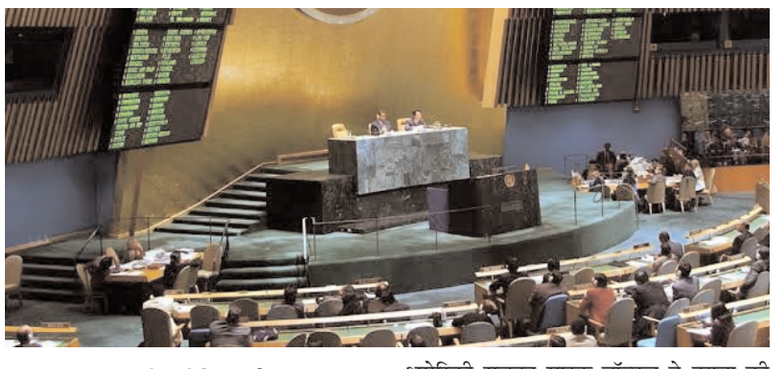
पुतिन ने अपनी सुरक्षा को बनाया अभेद्य, एंटी-ड्रोन और मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाए

मास्को। यूक्रेन युद्ध के लंबा खिंचने के साथ ही रूस की आंतरिक सुरक्षा और सैन्य रणनीति में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं, वहीं दूसरी तरफ मोर्चे पर सैनिकों की कमी से निपटने के लिए रूस ने अफ्रीकी महाद्वीप से भर्ती अभियान तेज कर दिया है। सैटेलाइट तस्वीरों और खुफिया विश्लेषणों के मुताबिक नोवगोरोद क्षेत्र के वाल्दाई में स्थित पुतिन के निजी आवास के चारों ओर कम से कम 50 से ज्यादा शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस टावर स्थापित किए गए हैं। इन टावरों पर पैंटसिर और टोर जैसे आधुनिक एंटी-ड्रोन और मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाए गए हैं, जो किसी भी हवाई खतरे को पलक झपकते ही नष्ट कर देंगे। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि वाल्दाई आवास की सुरक्षा व्यवस्था की तुलना मॉस्को शहर से की जा सकती है, जबकि मॉस्को की आबादी करोड़ों में है और वाल्दाई में बहुत कम लोग रहते हैं। इस सुरक्षा घेरे का मुख्य रुख दक्षिण दिशा यानी यूक्रेन की सीमा की ओर है, जिससे साफ होता है कि रूस को वाल्दाई पर संभावित यूक्रेनी ड्रोन हमलों की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले भी रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि यूक्रेन ने पुतिन के इस आवास को निशाना बनाने की कोशिश की थी, हालांकि यूक्रेन और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया था। इसके बावजूद पुतिन के निजी आवास और उससे जुड़े गोपनीय सैन्य परिसरों की सुरक्षा के लिए रेलवे लाइनों से लेकर जलाशयों तक सुरक्षा चौकियां बना दी हैं। दूसरी ओर मोर्चे पर भारी नुकसान झेल रही रूसी सेना अब विदेशी लड़ाकों पर निर्भर होती दिख रही है।

नेतन्याहू का गठबंधन सबसे आगे, लेकिन बहुमत से अब भी दूर

तेलअवीव। इजरायल के आम चुनाव के शुरुआती रुझानों और मतगणना के आंकड़ों ने राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी तेज कर दी है। लगभग 90 प्रतिशत मतों की गिनती पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन सबसे आगे चल रहा है, लेकिन वह सरकार गठन के जादुई आंकड़े से अभी भी पीछे है। इजरायली संसद (नेसेट) में कुल 120 सीटें हैं, और किसी भी दल या गठबंधन को सरकार बनाने के लिए न्यूनतम 61 सीटों की आवश्यकता होती है। शुरुआती नतीजों में नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन 48 सीटों के साथ कड़ी टक्कर दे रहा है। इसके अलावा, अरब दलों को 19 सीटें मिलने का अनुमान है, जो त्रिशंकु संसद की स्थिति में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं। केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, हालांकि नेतन्याहू का खेमा विपक्ष से आगे है, लेकिन स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। विपक्षी दल नेतन्याहू को सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में जुटे हैं, हालांकि विपक्षी नेताओं के बीच आपसी मतभेद उनके रास्ते की बड़ी रुकावट बन सकते हैं।

क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने का भारत समेत 130 देशों ने किया समर्थन



संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और क्यूबा प्रतिनिधियों के बीच हुई तीखी बहस

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में क्यूबा पर लगे अमेरिकी आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों को हटाने के प्रस्ताव पर भारत ने क्यूबा का समर्थन किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब क्यूबा और अमेरिका के बीच संयुक्त राष्ट्र में तीखी बहस हुई थी। बुधवार को हुए इस मतदान में भारत समेत कुल 130 देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। वहीं अमेरिका और इजराइल समेत 17 देशों ने इसका विरोध किया, जबकि 25 देश मतदान से दूर रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मतदान से ठीक पहले, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और क्यूबा के प्रतिनिधियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली, जिसने माहौल को काफी गर्म कर दिया था। बहस के दौरान अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने क्यूबा की सरकार पर दमन और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इसके जवाब में क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने उनके भाषण पर आपत्ति जताई और उन्हें रोकने की मांग की। वॉल्ट्ज ने पलटवार करते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र है, आपकी कम्युनिस्ट तानाशाही नहीं। आप मुझे चुप नहीं करा सकते। क्यूबा के विदेश मंत्री ने वॉल्ट्ज को झूठा करार दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और कार्यवाही को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक क्यूबा ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सदस्य देशों को प्रस्ताव के खिलाफ वोट देने के लिए वीजा प्रतिबंधों और आर्थिक पाबंदियों की धमकी देकर दबाव बनाया। इस बार का मतदान आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले काफी कम रहा, जब 165 देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और केवल सात ने विरोध किया था, जबकि 12 देश मतदान से दूर रहे थे। दरअसल, यह पिछले 30 सालों में इस प्रस्ताव के समर्थन में पड़े सबसे कम वोट हैं। इसी वजह से अमेरिका ने इसे अपनी कूटनीतिक जीत बताया है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जर्मनी, इटली और दक्षिण कोरिया जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं समेत कई देशों ने इस बार समर्थन करने के बजाय मतदान से दूरी बनाई, जो अमेरिकी दृष्टिकोण के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। अमेरिका 1992 से करीब हर साल इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट करता आया है, हालांकि 2016 में बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहते हुए दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिशों के तहत अमेरिका मतदान से दूर रहा था। क्यूबा लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों को अपने देश के आर्थिक संकट, आवश्यक वस्तुओं की कमी, बढ़ती महंगाई और गंभीर बिजली संकट का मुख्य कारण बताता रहा है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने अमेरिकी सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रतिबंधों के जरिए क्यूबा के लोगों की जिंदगी और मुश्किल बना रही है और देश को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रही है। हाल के महीनों में ईंधन की कमी और लंबे बिजली कटौती ने भी क्यूबा के लोगों की परेशानियां बढ़ाई हैं।

इजरायल में किंगमेकर बन सकती हैं अरब पार्टियां

तेलअवीव। इजरायल के हालिया चुनाव में अरब पार्टियों के शानदार प्रदर्शन ने देश का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिया है। संसद में जॉइंट लिस्ट और राम पार्टी को करीब 19 सीटें मिलने का अनुमान है, जो उनके मौजूदा प्रतिनिधित्व से लगभग दोगुना है। यह बढ़त उन्हें सरकार गठन में निर्णायक भूमिका दिलाने के लिए तैयार कर रही है, जिससे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के अनुसार, यूसुफ जबरीन के नेतृत्व वाले जॉइंट लिस्ट गठबंधन को लगभग 12 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि मंसूर अब्बास के नेतृत्व वाली राम पार्टी भी मजबूत स्थिति में है। जबरीन ने स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए आइजनकोट के राजनीतिक गठबंधन को बाहर से समर्थन दे सकती है, हालांकि गाजा और लेबनान पर सैन्य रुख के चलते वे सीधे सरकार में शामिल नहीं होंगे। इसके विपरीत, राम पार्टी के प्रमुख मंसूर अब्बास ने आइजनकोट के नेतृत्व वाली सरकार में आधिकारिक रूप से शामिल होने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। अब्बास व्यावहारिक राजनीति और अरब नागरिकों के दैनिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के पक्षधर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की चेतावनी के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भेजा पत्र

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर एक बार फिर संघर्ष की आशंका गहराती जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान परमाणु समझौते के लिए तैयार नहीं होता है, तो उस पर फिर से सैन्य हमला किया जा सकता है। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने राष्ट्रपति के निर्देश पर ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई को एक पत्र भेजा है, जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रुकी हुई कूटनीतिक बातचीत को दोबारा पटरी पर लाना है। अमेरिकी प्रशासन खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य तैयारियां भी तेजी से बढ़ा रहा है, जिसमें हथियारों का भंडार जुटाना, लड़ाकू विमानों को सतर्क रखना और इजरायल की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली भेजना शामिल है। इस गतिरोध को खत्म करने के लिए कतर, पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की जैसे देश सक्रिय रूप से मध्यस्थता की कोशिशों में जुटे हैं। एक प्रस्ताव के तहत इस बात पर चर्चा चल रही है कि यदि ईरान अपने परमाणु ठिकानों पर संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों को दोबारा लौटने की अनुमति दे दे, तो अमेरिका कुछ प्रतिबंधों में ढील दे सकता है, जिससे ईरान को तेल बेचने और मानवीय सहायता के लिए धन प्राप्त करने की राहत मिल सके। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने भी सितंबर 2025 के काहिरा समझौते को फिर से लागू करने का समर्थन किया है। हालांकि अभी तक किसी अंतिम शांति समझौते की शर्तें तय नहीं हो पाई हैं, क्योंकि दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया है कि उनका देश अपनी रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है, लेकिन वह कूटनीति को भी एक मौका देना चाहता है। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, ईरान ने इन मध्यस्थ प्रस्तावों पर अपने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की मंजूरी लेने की बात कही है।

स्मिथ के सिर पर टांके और हाथ का प्लास्टर देख हुए भावुक

दुबई। हर हीरो के पीछे कोई केप दिखे ये जरूरी नहीं, कुछ हीरो ऐसे होते हैं जिनके शरीर पर पड़े घाव के निशान उनकी बहादुरी की दास्तान खुद बयां करते हैं।' यह बात फ्लाईदुबई के भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर बिल्कुल सटीक बैठती है, जिन्हें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिष्ठित 'फर्स्ट क्लास ऑर्डर ऑफ जायद 2 सम्मान से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के दौरान उनके सिर पर लगे टांकों के गहरे निशान और हाथ में चढ़े प्लास्टर की तस्वीरें पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई हैं, जिन्हें लोग 'बैटल स्कार' कहकर सलाम कर रहे हैं। इन दर्दनाक जख्मों के बावजूद कैप्टन स्मित के चेहरे पर गर्व साफ नजर आया, जो उनकी अदम्य भावना को दर्शाता है। कई लोग चोटों के निशान देखकर भावुक हो गए। सिर से लगातार खून बहने, गहरी चोटें लगने और शरीर के बेहाल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हिम्मत नहीं हारी। उन्हें पता था कि यदि उन्होंने हार मान ली, तो 170 से ज्यादा लोगों की जान खतरे में पड़ जाएगी। अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्होंने बची-कुची ताकत जुटाई और कॉकपिट का दरवाजा अनलॉक कर दिया। दरवाजा खुलते ही क्रू मेंबर्स और यात्रियों ने अंदर आकर हमलावर को दबोच लिया। उसी विमान में यात्रा कर रहे फ्लाईदुबई के दो अन्य ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने तुरंत कमान संभाली और सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। कैप्टन स्मित की इसी सूझबूझ और बहादुरी के चलते एक बड़ा आसमान हादसा टल गया। उनकी इस वीरता को सम्मानित करते हुए यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें और उनके क्रू को 'फर्स्ट क्लास ऑर्डर ऑफ जायद 2 से नवाजा। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने एक भव्य समारोह में उन्हें यह मेडल प्रदान किया। हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है और जांच एजेंसियां मामले की गहराई से छानबीन कर रही हैं।

बीएलए का दावा : एक हफ्ते में पाकिस्तानी सेना के 27 से ज्यादा जवानों को मार गिराया

करांची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि उसने पिछले एक हफ्ते के अंदर पाकिस्तानी सेना के 27 से ज्यादा जवानों को मार गिराया है। बीएलए ने यह भी दावा किया है कि इस दौरान उसके 15 अभियानों में कई अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। बीएलए द्वारा किए गए इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। बीएलए के प्रवक्ता जियंद बलूच ने 20 से 26 अक्टूबर के बीच हुए विभिन्न हमलों का विस्तृत ब्यौरा दिया। प्रवक्ता के मुताबिक 24 अक्टूबर को संगठन की खुफिया इकाई पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के लेफ्टिनेंट कर्नल बिलाल जलीब की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दिन उनके वाहन को रिमोट से संचालित विस्फोटक उपकरण से निशाना बनाया गया। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में दो सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए और वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। यह हमला संगठन की लक्षित कार्रवाइयों का हिस्सा था। संगठन ने 26 अक्टूबर को मस्तुंग जिले के गुरगीना इलाके में एक और घातक हमले का दावा किया। यहां घात लगाकर किए गए हमले में चार जवान मारे गए और छह अन्य घायल हुए। वहीं, दश्त बाबा क्षेत्र में 25 अक्टूबर को हुई एक कार्रवाई में दो जवानों के मारे जाने की बात कही गई। इन लगातार हमलों ने बलूचिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीएलए ने कई अन्य घटनाओं की भी जिम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने बताया कि 20 अक्टूबर को मस्तुंग के सरगोज इलाके में सैन्य रसद ले जा रहे काफिले को निशाना बनाया गया, जिससे सेना की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई। इसके अलावा, कलात जिले के चोटंक क्षेत्र में 22 अक्टूबर को हुए हमले में दो जवानों की मौत का दावा किया गया। संगठन ने इसी इलाके में बाद के हमलों में दो सैन्यकर्मियों के मारे जाने की भी जिम्मेदारी ली।

स्पेन में भीषण ट्रेन हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर 64 हुई, 80 घायल

मैड्रिड। स्पेन के तोलेदो में बुधवार को दो तेज रफ्तार ट्रेनों के आपस में टकरा जाने से एक बड़ा रेल हादसा हुआ था। जिसमें मृतकों की संख्या बड़कर 64 हो गई है। इस भयानक दुर्घटना में कम से कम 80 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बचावकर्मी अभी भी मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं और राहत कार्यों में जुटे हुए हैं, जिससे मरने वालों का आंकड़ा और बड़ने की आशंका जताई जा रही है। यह हादसा उस समय हुआ जब राजधानी मैड्रिड से दक्षिणी-पश्चिमी शहर सेविले की ओर एक ही दिशा में जा रही दो ट्रेनें आपस में भिड़ गईं। एक ट्रेन पीछे से दूसरी ट्रेन के पिछले हिस्से से जा टकराई, जिससे उसके दो डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में स्पेन की सरकारी कंपनी की ट्रेन और एक निजी रेल कंपनी की ट्रेन शामिल थीं। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकारी कंपनी की ट्रेन में 397 और निजी कंपनी की ट्रेन में 147 यात्री सवार थे, यानी कुल मिलाकर सैकड़ों लोग इस सफर का हिस्सा थे। हादसे के तुरंत बाद मैड्रिड, स्यूदाद रियल और अंदालूसिया के बीच रेल यातायात पूरी तरह रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं, दमकलकर्मी और पुलिस मौके पर पहुंच गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेना की आपातकालीन ब्रिगेड को भी राहत कार्य के लिए तैनात किया गया। एंबुलेंस और हेलीकॉप्टरों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है, जबकि सुरक्षित बचे यात्रियों को बसों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। स्थानीय प्रशासन और टाउन हॉल के अधिकारियों ने घायलों और पीड़ितों के इलाज के लिए स्पोर्ट्स पवेलियन को अस्थायी चिकित्सा शिविर में तब्दील कर दिया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी चुनावों के लिए भूपति, सानिया सहित छह पूर्व खिलाड़ी मैदान में उतरे



मुम्बई। पूर्व टेनिस स्टार महेश भूपति और सानिया मिर्जा और अंकिता भांबरी सहित छह अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के चुनाव के अब अखिल भारतीय टेनिस यूनियन (एआईटीए) में नामांकन दाखिल किया है। ये चुनाव आगामी 7 नवंबर को होंगे। खिलाड़ियों के इस प्रकार टेनिस यूनियन में आने से नीति-निर्माण में उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। वहीं दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी को झटका लगा है, क्योंकि उनका नाम इस श्रेणी के उम्मीदवारों की सूची में शामिल नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिएंडर पेस की उम्मीदवारी को बंगाल टेनिस यूनियन का समर्थन प्राप्त था। इसके बावजूद, वह उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के तहत होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल नहीं कर सके क्योंकि नियमों के मुताबिक, किसी राष्ट्रीय खेल यूनियन में पदाधिकारी बनने के लिए उम्मीदवार को राज्य खेल यूनियन में कम से कम एक कार्यकाल तक पदाधिकारी के रूप में काम करना अनिवार्य है। पेस ने यह आवश्यक अवधि पूरी नहीं की है, जिसके चलते उन्हें राष्ट्रीय यूनियन में प्रतिनिधित्व पाने का यह सीधा रास्ता नहीं मिल सका। हालांकि, वह 27 नवंबर को होने वाले एआईटीए के चुनाव में बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, लेकिन मौजूदा नियमों के तहत इस रास्ते से अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। दूसरी ओर, महेश भूपति ने खेल प्रशासन में अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने की महत्ता पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हर खेल यूनियन में ऐसे खिलाड़ियों की आवश्यकता है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च प्रतिस्पर्धा में भाग लिया हो। उनके मुताबिक, ऐसे खिलाड़ी अपने प्रत्यक्ष अनुभव और अंतर्दृष्टि से खेल को बेहतर बनाने और सही दिशा देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भूपति, सानिया और अंकिता के अलावा जिन 6 अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। वे हैं डेविस कप के वर्तमान कोच आशुतोष सिंह, गौरव नाटेकर, जानकी कृष्णमूर्ति, शालिनी ठाकुर चावला और बिली जीन विशाल उप्पल। इस तरह, इस महत्वपूर्ण श्रेणी में कुल 8 पूर्व खिलाड़ी चुनावी मैदान में हैं। यूनियन की कार्यकारी समिति के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में भी भूपति, सानिया, अंकिता, जानकी और विशाल उप्पल के नाम प्रमुख हैं। एआईटीए के संशोधित संविधान के अनुसार, यूनियन की आम सभा में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए 4 प्रतिनिधियों (2 पुरुष और 2 महिला) की जगह तय की गई है। वहीं, 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में भी इस श्रेणी से 1 पुरुष और 1 महिला प्रतिनिधि का चुनाव किया जाएगा, जो नीतिगत निर्णयों में खिलाड़ियों की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

2027 विश्व कप खेलने को लेकर रोहित का वीडियो सामने आया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है वह 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। इसको लेकर रोहित का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें रोहित कह रहे हैं कि वह विश्वकप खेलना चाहते हैं। उनका ये बयान ऐसे समय आया है जब टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज की तैयारियां कर रही है। यह वायरल वीडियो एक शो का बताया गया है। इसमें जब मजाकिया अंदाज में पूछा गया कि मुश्किल स्थिति में वह युवा कप्तान शुभमन गिल या श्रेयस अय्यर में से किसे कॉल करेंगे। इस सवाल के जवाब में रोहित ने तपाक से कहा, दोनों ही कप्तान हैं। शुभमन गिल अभी मेरा कप्तान है। 2027 एकदिवसीय विश्व कप मुझे खेलना है। उसको खुश रखना ही पड़ेगा। उन्होंने हंसते हुए कहा, साल 27 के बाद टी20 में वापसी करनी है ऐसे में अय्यर को खुश रखना पड़ेगा। वहीं कुछ समय पहले तक रोहित के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। ऐसी चर्चाएं थीं कि चयनकर्ता उन्हें 2027 विश्व कप की योजनाओं में शामिल नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते उनके एकदिवसीय फॉर्मेट से संन्यास लेने की संभावनाएं भी बढ़ गयी थीं। इंग्लैंड दौरे पर उनके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, यह कहा गया था कि वह लॉर्ड्स में होने वाले मैच के बाद वह एकदिवसीय से भी संन्यास की घोषणा कर देंगे, क्योंकि उन्हें बता दिया गया है कि वह विश्वकप टीम में शामिल नहीं हैं। वहीं चयन समिति में बदलाव के साथ ही हाल में उनके प्रदर्शन में आये सुधार से तय है कि हालिया सीरीज में रोहित के शानदार प्रदर्शन ने इन सभी अटकलों पर विराम लग गया है।अभी रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप में खेलते हैं। फॉर्मेट में सक्रिय हैं, उन्होंने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था।

वृंदा को खरीदे जाने पर उत्साहित दिखीं श्रेयंका

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऑलरराउंडर श्रेयंका पाटिल का एक विडियो आजकल सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 की छोटी नीलामी में वृंदा दिनेश को आरसीबी द्वारा खरीदे जाने पर खुशी जताते हुए दिखीं। इस वीडिया में श्रेयंका अपनी दोस्तों और साथी क्रिकेटरों के साथ एक होटल के कमरे में नीलामी की कार्यवाही देखती हुए नजर आयीं। जैसे ही आरसीबी ने वृंदा पर बोली लगाई और उसे खरीदा तब श्रेयंका तुरंत अपनी कुर्सी से उठकर जश्न मनाने लगीं। वह इतनी अधिक खुश थी कि कमरे से बाहर आकर जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। इससे क्रिकेट प्रशंसक भी हैरान रह गये। आरसीबी ने वृंदा को 10 लाख रुपये की राशि में अपनी टीम में शामिल किया। उन्हें एक्सीलरेटेड राउंड के दौरान टीम में लिया गया, जो दिखाता है कि आरसीबी प्रबंधन उन्हें अपनी टीम का एक अहम हिस्सा मानता है। इस नीलामी में आरसीबी ने वृंदा के अलावा कई अहम खिलाड़ियों पर भी दांव लगाया। टीम ने ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी जेस जोनासेन को 40 लाख रुपये में, तेजल हसबनीस को 30 लाख रुपये में और दक्षिण अफ्रीका की आक्रामक बल्लेबाज क्लो ट्रायॉन को भी 30 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के बाद, आरसीबी का दल इस प्रकार है- स्मृति मंधाना (कप्तान), एलिस पैरी, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, लॉरेन बेल, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वॉल, नादिन डी क्लार्क, सयाली सतघरे, प्रत्यूषा कुमार, जेस जोनासन, तेजल हसबनिस, वृंदा दिनेश और क्लोए ट्रायॉन।

अब भारत भी बनेगा विश्व स्तरीय खेल सामग्री निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को अपनी मंजूरी दे दी है। इससे विश्व स्तरीय खेल सामग्री निर्माण के क्षेत्र में भारत एक अग्रणी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आयेगा। मंत्रिमंडल ने यह महत्वाकांक्षी योजना साल 2026 से 2033-34 तक के लिए तय की है। ये कुल 1,856.67 करोड़ रुपये के बजट के साथ लागू की जाएगी। इसका लक्ष्य देश में खेल के सामानों के विनिर्माण को बढ़ावा देना और भारत को वैश्विक बाजार में बेहतर बनाना है। इस नई पहल के माध्यम से सरकार निवेश, नवाचार, आधुनिक तकनीक के उपयोग और निर्यात प्रोत्साहन पर बल दे रही है। इसका लक्ष्य भारत को अपनी घरेलू जरूरतों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए भी उच्च गुणवत्ता वाले खेल उत्पादों का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बनाना है। योजना के तहत ही विशेष स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग जोन का विकास करना भी है। ये ज़ोन निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, अनुसंधान केंद्रों और परीक्षण प्रयोगशालाओं को एक ही छत के नीचे लाकर एक एकीकृत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करेंगे। यह क्लस्टर-आधारित उत्पादन को बढ़ावा देगा, जिससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों इस योजना के केंद्र में रखा गया है, जिन्हें सशक्त बनाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप भारतीय खेल सामग्रियों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए 105 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया है, जो वैश्विक प्रमाणन प्राप्त करने में सहायक होगा। वहीं अनुसंधान और विकास के लिए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित किए जाएंगे।

आयरिश एयरलाइन में मेरे परिवार को झेलना पड़ा नस्लीय दुर्व्यवहार : संगाकारा

कोलंबो। श्रीलंकाके पूर्व क्रिकेटर कुमार संगाकारा ने आयरलैंड की प्रसिद्ध एयरलाइन रायनएयर पर अपने परिवार के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार करने का एक बेहद गंभीर आरोप लगाया है। आयरलैंड के डबलिन में हुई इस घटना ने पूरे खेल जगत और सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छेड़ दी है, जिससे यात्रियों के साथ एयरलाइन कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल खड़े हो गए हैं। संगाकारा ने सोश मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये ये आरोप लगाये हैं। उन्होंने लिखा, क्या किसी और ने भी डबलिन में रायनएयर के गेट कर्मचारियों की ओर से भेदभाव का सामना किया है? मेरे और मेरे परिवार के साथ ऐसा ही हुआ, जो काफी हैरानी भर था। । उन्होंने कहा कि एयरलाइन कर्मचारियों ने उनके परिवार को धमकी दी और उनके साथ अपमानजनक नस्लीय टिप्पणियां कीं, जिसे उन्होंने अस्वीकार्य करार दिया। संगाकारा के अनुसार, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में उनका यह पहला ऐसा बुरा अनुभव था, जिसने उन्हें बेहद विचलित किया। उन्होंने इस घटना को देश में एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ते नस्लवाद और विदेशियों के प्रति नफरत की बढ़ती प्रवृत्ति का एक स्पष्ट उदाहरण बताया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह सड़कों से लेकर ऑनलाइन मंचों तक रोज देखने को मिल सकता है। संगाकारा के इस आरोप के बाद, उन्हें न केवल सहानुभूति मिली, बल्कि कई अन्य लोगों ने भी इसी तरह के अनुभवों को साझा करते हुए उनका समर्थन किया। उनके साथी श्रीलंकाई क्रिकेटर संजीवा वीरावारना ने खुलकर उनका समर्थन किया और विदेशों में भेदभाव के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, कुमार, मैंने पश्चिमी देशों के हर हिस्से में भेदभाव का सामना किया है। मैं वहां 16 साल रहा, 25 साल तक आता-जाता रहा, और अब बस बहुत हो गया।गौरतलब है कि रायनएयर, आयरलैंड के काउंटी डबलिन के स्वॉर्ड्स में मुख्यालय वाली एक आयरिश अल्ट्रा-लो-कॉस्ट एयरलाइन है, जो अपने सस्ते किराए के लिए जानी जाती है। हालांकि, ये एयरलाइन पहले भी विवादों में रही है।



मैक्सिको में फार्मुला वन रेस के लिए शो रन में शामिल होते हुए कैडिलक के सर्जियो पेरेज।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

अकासा एयर का पायलटों को बड़ा तोहफा, बढ़ेगी सैलरी और छुट्टियां

नई दिल्ली। दिवाली से पहले देश की प्रमुख लो-कॉस्ट एयरलाइन अकासा एयर ने अपने पायलटों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने वेतन में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी के साथ-साथ सालाना छुट्टियों और मासिक गारंटीड उड़ान घंटों में भी अहम इजाफा किया है। यह घोषणा 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी और अकासा एयर में कार्यरत 800 से अधिक पायलटों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। कंपनी का यह कदम कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और उनकी वित्तीय सुरक्षा मजबूत करने में सहायक होगा। प्रत्येक पायलट की सैलरी में वास्तविक बढ़ोतरी उसके व्यक्तिगत सैलरी स्ट्रक्चर पर निर्भर करेगी। कंपनी का कहना है कि यह कदम तेजी से बढ़ते संचालन और विमानों की संख्या में हो रही वृद्धि के बीच कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ावा देगा। वेतन वृद्धि के अलावा, पायलटों की सालाना छुट्टियों को भी बढ़ाया गया है। नए नियमों के तहत, पायलटों को साल में कम से कम 42 दिन का अवकाश मिलेगा। इसके साथ ही, कंपनी ने पायलटों को अपनी पसंद से वर्क शेड्यूल चुनने का विकल्प भी दिया है, जिसके आधार पर छुट्टियों की संख्या 42 दिनों से ज्यादा भी हो सकती है। महत्वपूर्ण रूप से कंपनी ने पायलटों के लिए हर महीने उड़ान के न्यूनतम गारंटीड घंटों को बढ़ाकर 50 करने का फैसला किया है। इसका अर्थ है कि तय कार्य व्यवस्था के तहत, यदि किसी महीने पायलट की वास्तविक उड़ान के घंटे कम रहते हैं, तब भी उसे इन न्यूनतम 50 घंटों का भुगतान सुनिश्चित होगा। यह पहल पायलटों की मासिक कमाई को अधिक स्थिर बनाने में मदद करेगी, जिससे उनके भविष्य की वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अकासा एयर लगातार अपने विमानों और उड़ानों की संख्या में विस्तार कर रही है।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर चमका औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली। भारत के औद्योगिक क्षेत्र ने सितंबर 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। हाल में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस तेजी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों की भूमिका अहम रही, जो देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, सितंबर 2026 में द्वुद्धक बढ़कर 124.3 पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 116.5 था। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र की 11.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, अगस्त 2026 में दर्ज 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले सितंबर में यह गति कुछ धीमी रही, फिर भी समग्र प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। विनिर्माण क्षेत्र के भीतर, कुल 23 उद्योग समूहों में से 17 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर निर्माण क्षेत्र ने 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जिसमें ऑटो कंपोनेंट्स, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माण क्षेत्र में 33.9 प्रतिशत और रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में 19.9 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिकल उपकरणों में स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टर्स जैसे उत्पादों की मांग में उछाल आया। उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का सूचकांक 153.4 और मध्यवर्ती वस्तुओं (इंटरमीडिएट गुड्स) का सूचकांक 131.7 रहा, जो निवेश और उत्पादन गतिविधियों में निरंतर मजबूती का स्पष्ट संकेत देता है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की है कि आईआईपी गणना के लिए अब कुछ उत्पाद समूहों के लिए थोक मूल्य सूचकांक के स्थान पर आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का उपयोग डिफ्लेटर के रूप में किया जाएगा।

सरकारी योजनाओं के तहत छोटे कारोबारियों को कर्ज देने में निजी बैंक पीछे



मुंबई। छोटे कारोबारियों, पारंपरिक कारीगरों और रेहड़ी-पटरी वालों को कर्ज उपलब्ध कराने के मामले में निजी क्षेत्र के बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में काफी पीछे हैं। अक्टूबर 2026 की सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार की प्रमुख वित्तीय समावेशन योजनाओं के तहत निजी बैंकों का प्रदर्शन कमजोर रहा है और कई योजनाओं में वे निर्धारित लक्ष्य का 30 प्रतिशत भी हासिल नहीं कर सके हैं। इसके विपरीत, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक छोटे ऋणों के वितरण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अपेक्षाकृत बेहतर भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे पीएम स्वनिधि (रेहड़ी-पटरी वालों के लिए), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (सूक्ष्म और छोटे उद्यमों के लिए) और पीएम विश्वकर्मा योजना (कारीगरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण व रियायती कर्ज के लिए) का उद्देश्य इन कमजोर वर्गों को वित्तीय सहायता देना है। हालांकि, इन योजनाओं में निजी बैंकों की ऋण मंजूरी और वितरण की गति काफी धीमी बनी हुई है, जो लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचाने में बाधा बन रही है। निजी बैंकों की सुस्त रफ्तार के पीछे बढ़ते कर्ज जोखिम (एनपीए) का डर एक प्रमुख कारण है। रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान असुरक्षित खुदरा ऋणों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में नए फंसे कर्जों में वृद्धि की आशंका जाहिर की है। इसतरह निजी बैंक जोखिम वाले कर्जों को लेकर अधिक सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा, छोटे कारोबारियों की आमदनी अक्सर मौसमी और नकदी प्रवाह अनियमित होता है, जिससे पारंपरिक ऋण मानकों के आधार पर उनकी कर्ज चुकाने की क्षमता का आकलन करना मुश्किल हो जाता है। यही वजह है कि कई आवेदन ठुकरा दिए जाते हैं। एक अन्य प्रमुख कारण निजी बैंकों का बड़े कॉर्पोरेट और थोक ऋणों पर अधिक ध्यान देना है। बड़े कर्जों में परिचालन लागत अपेक्षाकृत कम होती है और उनसे अधिक कारोबार हासिल होने की संभावना रहती है, जबकि छोटे कर्जों में प्रत्येक आवेदन की जांच, दस्तावेजी प्रक्रिया और निगरानी पर अधिक संसाधन खर्च होते हैं। दूसरी ओर, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में प्राथमिक भूमिका और व्यापक शाखा नेटवर्क का लाभ मिलता है। वित्तीय समावेशन को लेकर उनकी संस्थागत जिम्मेदारी भी छोटे कारोबारियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचने में सहायक सिद्ध होती है। छोटे कारोबारियों को समय पर और सुगमता से कर्ज उपलब्ध कराना रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमेज़न में फिर छंटनी की तलवार, 250 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। टेक जगत की दिग्गज कंपनी अमेज़न ने एक बार फिर अपने डिवाइसेज और सर्विसेज यूनिट से 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह एक महीने के भीतर अमेज़न में छंटनी का दूसरा बड़ा दौर है। इससे पहले अक्टूबर महीने की शुरुआत में कंपनी ने अपने रिटेल डिवीजन से लगभग 1,000 कर्मचारियों को हटाया था, जिससे कर्मचारियों के बीच पहले से ही अनिश्चितता का माहौल था। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह खबर कंपनी द्वारा हाल ही में किंडल ई-रीडर और टैबलेट कंप्यूटर जैसे नए प्रोडक्ट्स को मार्केट में लॉन्च किए जाने के कुछ ही हफ्तों में आई है, जो विरोधाभासी लग रहा है। कंपनी की तरफ से एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कुछ पदों को खत्म करने का मुश्किल फैसला लिया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि इस बार हुई कटौती से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से जुड़े ज्यादा से ज्यादा 250 पद प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने इन छंटनियों का मकसद अमेज़न को अधिक कुशलता से काम करने और अपने प्रोडक्ट रोडमैप के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद करना बताया है। बताया जा रहा है कि अमेज़न अब अपने एलेक्सा सिस्टम से आगे बढ़कर जेनरेटिव एआई और अधिक एडवांस्ड एआई मॉडल्स पर निवेश बढ़ा रहा है। इसके चलते पुराने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और पुराने डिवाइस प्रोजेक्ट्स से जुड़े पदों को समाप्त किया जा रहा है। कंपनी अपने डिवाइस डिवीजन को बेहतर तरीके से काम करने वाला, लेकिन साथ ही में कम खर्चीला बनाना चाहती है।



झारखंड के रांची में साइक्लोन अर्नब की वजह से कई ट्रेनें कैंसिल होने के बाद हटिया रेलवे स्टेशन का सुनसान नज़ारा।

एप्पल ने लॉन्च किया पहला टचस्क्रीन मैकबुक-प्रो

मुंबई। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रो एंड टेल इवेंट में पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो लॉन्च कर सालों पुरानी रणनीति को बदल दिया है। ओएलईडी डिस्प्ले, नई एम5 चिप्स और टच जेस्चर के साथ, यह लैपटॉप सीधे स्क्रीन पर इंटरेक्शन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। यह नया टचस्क्रीन डिस्प्ले यूजर्स को सीधे स्क्रीन पर डॉक्यूमेंट स्क्रॉल करने, तस्वीरों को ज़ूम करने, ड्राइंग बनाने और कंटेंट एनोटेट करने की सुविधा देता है। पहली बार मैकबुक में आईफोन का लोकप्रिय फीचर डायनामिक आइलैंड भी शामिल किया गया है।

फेड ने स्थिर रखीं ब्याज दरें, महंगाई पर पैनी नजर

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर की अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को 3.75-4 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में लगातार ऊंची महंगाई दर अभी भी एक बड़ी चुनौती है, हालांकि फेड ने अर्थव्यवस्था को पहले से मजबूत बताया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने 10-2 के बहुमत से दरें स्थिर रखने का निर्णय लिया। सितंबर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह ठहराव आया है। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि वह अगला बदलाव करने से पहले महंगाई और रोजगार के नए आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेगा। फेड चेयरमैन केविन वार्श ने दिसंबर की अगली बैठक के लिए कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि दिसंबर में 0.25 फीसदी की और बढ़ोतरी हो सकती है। ब्याज दरों में बदलाव का अर्थव्यवस्था और बाजार पर सीधा असर पड़ता है। ऊंची ब्याज दरें कर्ज महंगा करती हैं, जिससे खर्च व निवेश घटता है, और महंगाई नियंत्रित होती है। हालांकि, यह शेयर बाजारों पर दबाव डाल सकता है। अमेरिकी फेड के इन फैसलों का असर भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी पड़ता है।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का आईपीओ खुला, 183 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। स्टील प्रोसेसिंग कंपनी बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग आईपीओ गुरुवार को खुल गया है। निवेशक इस पब्लिक इश्यू में 2 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 183.06 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने और भविष्य की कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पूरी तरह से नए शेयरों का इश्यू है, यानी इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल नहीं है। कंपनी ने इश्यू के लिए 78 रुपए से 82 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। एक लॉट में 182 शेयर मिलेंगे, जिसके लिए निवेशकों को न्यूनतम 14,924 रुपए का निवेश करना होगा। खुदरा निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। शेयरों का अलॉटमेंट 3 नवंबर को होने की संभावना है, जबकि बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग 5 नवंबर को हो सकती है। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले, 28 अक्टूबर को, कंपनी ने एंकर निवेशकों से 54.1 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जिसमें 6 संस्थागत निवेशक 82 रुपए के अपर प्राइस बैंड पर शामिल थे। आईपीओ से जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा, करीब 125 करोड़ रुपए, मौजूदा कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होगा। इसके अलावा, 15.7 करोड़ रुपए सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ लीज समझौतों के तहत मशीनरी और अन्य उपकरणों की खरीद पर खर्च किए जाएंगे, जबकि शेष सामान्य कारोबारी जरूरतों में लगेंगे। मुंबई स्थित यह कंपनी स्टील प्रोसेसिंग के कारोबार में संलग्न है, जहां यह स्टील कॉइल खरीदकर उन्हें विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार उत्पादों में बदलती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

एनीमिया की पहचान और उपचार का नियमित फॉलोअप करें : राजेंद्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), एनीमिया मुक्त भारत अभियान एवं आशा कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला चिकित्सालयों में संचालित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्रों में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने तथा रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरबीएसके 2.0 पोर्टल पर 4डी के अंतर्गत चिन्हित बच्चों की स्क्रीनिंग से लेकर उपचार पूर्ण होने तक की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करने को कहा। उन्होंने बच्चों में स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। एनीमिया मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के माध्यम से एनीमिया की आशंका वाले सभी पात्र हितग्राहियों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दीपावली से पहले भोपाल में कार्बाइड तोप,लैंप और गन पर प्रतिबंध

भोपाल। भोपाल जिले में अब कार्बाइड तोप, कार्बाइड लैंप और कार्बाइड गन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। इनके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में इन उपकरणों के उपयोग के साथ खरीद-बिक्री, भंडारण, प्रदर्शन और परिवहन पर भी रोक लगाई गई है। कमिश्नरेट व्यवस्था के तहत भोपाल शहर में पुलिस कमिश्नर संजय कुमार तीन दिन पहले ही प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर चुके हैं। कलेक्टर के आदेश के बाद अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्बाइड गन के इस्तेमाल पर रोक लागू होगी। कलेक्टर ने आदेश में कहा है कि कार्बाइड गन का इस्तेमाल बेहद खतरनाक है। इससे मानव जीवन और शारीरिक सुरक्षा के साथ लोकशांति को भी खतरा हो सकता है। इसके तेज धमाके से कान के पर्दे फटने,आंखों की रोशनी जाने और चेहरे या शरीर पर गंभीर जलन जैसी घटनाएं हो सकती हैं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर जोखिम है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग को नियंत्रित किया गया है। इसका विक्रय केवल वैध कृषि और औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। अन्य उद्देश्यों से इसका इस्तेमाल प्रतिबंधित रहेगा। कैल्शियम कार्बाइड बेचने वाले दुकानदारों को इसकी खरीद-बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। आदेश के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

केमिकल फैक्ट्री के मैनेजर की सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत

भोपाल। राजधानी भोपाल के परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान एयरपोर्ट रोड स्थित शांति नगर निवासी अजय राठौर पिता मांगीलाल के रूप में हुई है। अजय एक केमिकल फैक्ट्री में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। हादसा बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 2.30 बजे शांति नगर ब्रिज के पास हुआ। अजय तीन मासूम बच्चियों के पिता थे। उनकी मौत से परिवार में मातम छा गया। जानकारी के मुताबिक अजय बुधवार देर रात अपने एक दोस्त के साथ घर के पास स्थित ढाबे पर खाना खाने गए थे। दोनों दोस्त पैदल ही ढाबे के लिए निकले थे। खाना खाने के बाद जब वे पैदल घर लौट रहे थे,तभी शांति नगर ब्रिज के पास एक अज्ञात वाहन ने अजय को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अजय गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायल अजय को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया,लेकिन गुरुवार सुबह उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल है। अजय अपने परिवार के लिए अहम सहारा थे। उनकी तीन छोटी बच्चियां हैं, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया। परवलिया सड़क थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

महिला रात में बोली व्रत रखूंगी.सुबह फांसी के फंदे पर लटकी मिली

भोपाल। भोपाल के बिलखिरिया थाना क्षेत्र के जमुनिया कला गांव में 42 वर्षीय महिला का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। महिला की पहचान अनीता मैथिल (42), पति मोहन मैथिल के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक,अनीता रात में करवाचौथ का व्रत रखने की बात कहकर सोई थीं। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे बेटी ने मां का शव फंदे पर लटका देखा। इसके बाद उसने शोर मचाकर परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल महिला की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार,अनीता गृहिणी थीं,जबकि उनके पति मोहन मैथिल खेती-किसानी करते हैं। दंपती की तीन बेटियां और एक बेटा है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि पिछले करीब तीन महीने से अनीता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और उनका इलाज चल रहा था। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अनीता के भतीजे विशाल ने बताया कि चाची ने बुधवार रात करवाचौथ का व्रत रखने की बात कही थी। इसके बाद वह सोने चली गई थीं। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे उनकी बेटी ने मां को फंदे पर लटका देखा। उसके शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। तब तक अनीता की मौत हो चुकी थी।

खेड़ापति हनुमान कॉरिडोर को आकर्षक स्वरूप में करें विकसित : मंत्री सारंग

मंत्री विश्वास सारंग ने राजधानी भोपाल के विकास कार्यों को गति देने दिए निर्देश



भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को मंत्रालय स्थित प्रतीक्षाकक्ष में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भोपाल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लंबित कार्यों के शीघ्र निराकरण, सीवेज कार्यों के बाद सड़कों के व्यवस्थित पुनर्स्थापन,स्वच्छता अभियान और विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मंत्री सारंग ने कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में लंबित सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। नगर निगम मुख्यालय स्तर पर लंबित प्रस्तावों का शीघ्र निराकरण कर विकास कार्यों को गति दी जाए, जिससे नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने सीवेज कार्यों के बाद सड़कों एवं संबंधित स्थलों के पुनर्स्थापन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि सीवेज कार्य पूरा होने के बाद सड़क की स्थिति को व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ववत किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इस दिशा में वार्ड क्रमांक 58 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कार्य किया जाएगा। भोपाल में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंत्री सारंग ने 1 से 5 नवंबर तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। अभियान के अंतर्गत जोनवार कार्ययोजना बनाकर व्यवस्थित तरीके से सफाई कराई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सफाई अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार नगर निगम के अन्य जोन से भी श्रमिकों और मशीनरी का उपयोग किया जाए। इससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सफाई कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। मंत्री सारंग ने सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कहा कि सफाई कार्य में लगे सभी कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण एवं पूरी सफाई किट उपलब्ध कराई जाए। अभियान के दौरान स्वच्छता के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेड़ापति हनुमान कॉरिडोर को आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं सुसज्जित स्वरूप में विकसित करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए। परियोजना को बेहतर स्वरूप देने के लिए विकास कार्यों की रूपरेखा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। इस दौरान मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर प्रगति की निगरानी की जाए,जिससे कार्य अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और बेहतर नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मप्र कैडर के रिटायर्ड आईएएस रमेश एस.थेटे नागपुर से हुए गिरफ्तार



थेटे पर धोखाधड़ी और चेक बाउंस केस में एमपी नगर पुलिस की कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी रमेश एस. थेटे को धोखाधड़ी और चेक बाउंस केस में भोपाल की एमपी नगर पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया। बुधवार को मनीष नगर इलाके में गिरफ्तारी हुई। थेटे को पकड़ने में नागपुर की बेलतरोड़ी पुलिस ने भी मदद की। भोपाल की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कल्पना कोतवाल की कोर्ट ने 23 मार्च 2026 को रमेश थेटे को फरार घोषित किया था। इसके साथ ही स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उन्हें भोपाल ला रही है। पूछताछ के बाद थेटे को कोर्ट में पेश किया जाएगा। भोपाल कोर्ट के अनुसार, थेटे लगातार सुनवाई के दौरान पेश नहीं हो रहे थे। उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पहले भी अवसर दिए गए थे, लेकिन वे कोर्ट में पेश नहीं हुए। उनके खिलाफ पहले भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे, लेकिन इनकी तामील नहीं हो सकी थी। 23 मार्च 2026 की ऑर्डर शीट के मुताबिक,कोर्ट ने माना कि आरोपी को पेश होने के लिए पहले भी अवसर दिए गए थे, लेकिन वह पेश नहीं हुए। परिस्थितियों से ऐसा लग रहा है कि आरोपी जानबूझकर वारंट की तामील से बच रहे हैं। कोर्ट में परिवादी ने अपील की थी कि आरोपी अभी भी फरार है और कोर्ट के कहने के बाद भी पेश नहीं हो रहा है। परिवादी ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने की अपील की थी। इसके बाद कोर्ट ने आवेदन स्वीकार कर रमेश थेटे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 299 के तहत रमेश थेटे को फरार घोषित कर स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए। उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रकरण को अभिलेखागार में सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया गया। रमेश थेटे के खिलाफ हबीबगंज थाना, एमपी नगर थाना और लोकायुक्त में अलग-अलग मामले दर्ज हैं। फरवरी 2023 में लोकायुक्त में दर्ज एक स्ट्रक्र में उनकी पत्नी मंदा थेटे को भी आरोपी बनाया गया था। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति, बैंक संबंधी धोखाधड़ी और चेक बाउंस से जुड़े मामले भी दर्ज हैं। रमेश एस. थेटे मध्य प्रदेश कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। वे 1993 में आईएएस बने। उनकी पहली पोस्टिंग छिंदवाड़ा में हुई। वे बड़वानी में एसडीएम,खरगोन में अपर कलेक्टर और जबलपुर नगर निगम में कमिश्नर समेत कई पदों पर रहे। वे 31 जुलाई 2020 को रिटायर हुए। थेटे ने आरोप लगाया था कि आईएएस होने के बावजूद उन्हें कभी कलेक्टर नहीं बनने दिया गया। उनके साथ सरकार और सरकार से जुड़े लोगों ने गलत किया। उन्होंने आरोप लगाया था कि आंबेडकरवादी विचारधारा से जुड़े होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया। थेटे ने दावा किया था कि उनके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों में वे अदालत से बरी हो चुके हैं। उनके मुताबिक,अनुपातहीन संपत्ति के एक मामले में 10 साल चले ट्रायल के बाद अदालत ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया था। इस मामले में उन पर 41 लाख रुपए की अनुपातहीन संपत्ति का आरोप लगा था।

आईएसबीटी में निगम की बड़ी कार्यवाही



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम के अमले ने आईएसबीटी में बड़ी कार्यवाही करते हुए लंबे समय से गैर संचालित रूप में खड़ी बसों को हटवाया और बस स्टैण्ड क्षेत्र की व्यापक साफ-सफाई व धुलाई भी कराई। कार्यवाही के दौरान 15 बसें हटवाई और 01 बस जप्त कर की तथा गत सितम्बर से आईएसबीटी परिसर में खड़ी 02 बसों पर 10-10 हजार रूपये का जुर्माना भी किया। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार द्वारा गत दिवस आईएसबीटी के निरीक्षण के दौरान गैर संचालित बसों को हटाने, आईएसबीटी परिसर की साफ-सफाई आदि कराने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते, फायर ब्रिगेड एवं स्वास्थ्य विभाग के अमले ने बुधवार को संयुक्त रूप से बड़ी कार्यवाही करते हुए लंबे समय से गैर संचालित तौर पर खड़ी बसों को हटाने हेतु एनाउंसमेंट कराया तदुपरांत बसों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की। कार्यवाही के दौरान निगम अमले ने वर्मा ट्रेवल्स की 13 एवं भोपाल ट्रेवल्स की 02 बसों को हटवाया तथा माला ट्रेवल्स की 01 बस को जप्त किया और क्रेन के माध्यम से अन्ना नगर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर रखवाया। निगम अमले ने आईएसबीटी में गत सितम्बर माह से खड़ी भोपाल ट्रेवल्स की 02 बसों पर 10-10 हजार रूपये की राशि का जुर्माना भी किया। निगम अमले ने बसों को हटाने के बाद बस स्टैण्ड क्षेत्र की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराई और कचरा, कीचड़, गंदगी को उठवाया तथा परिसर की भली प्रकार से धुलाई भी कराई।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का मुख्य समारोह लाल परेड ग्राउण्ड में होगा

1 नवम्बर को जिला स्तर पर भी आयोजित होंगे कार्यक्रम निर्देश जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का मुख्य समारोह भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड में भव्य स्तर पर एक नवम्बर सोमवार को मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अवधारणा अनुसार इस बार स्थापना दिवस 3 दिवसीय होगा। समारोह का सभी जिलों में भी आयोजन होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आयोजन के संबंध में सभी कलेक्टर और कमिश्नर को निर्देश जारी किए हैं। मंचीय कार्यक्रम एवं सुगम संगीत के लिए प्रतिष्ठित कलाकार की प्रस्तुति एवं समापन भव्य आतिशबाजी से किया जायेगा। कार्यक्रम स्थल में 1 से 3 नवम्बर तक संस्कृति के विषयों के साथ कृषि एवं उससे जुड़े अनुषांगिक विषयों पर केन्द्रित प्रदर्शनी तीन दिवस के लिए आयोजित की जायेगी। स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के उत्कृष्ट कार्यों से संबंधित गौरवशाली व्यक्तित्वों एवं उपलब्धियों पर केंद्रित गतिविधियाँ, जिला उत्पादों का प्रदर्शन और उत्कृष्ट कार्यों से संबंधित प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी। जिला कलेक्टर जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को प्रभारी मंत्री परामर्श से अंतिम रूप देंगे। स्थापना दिवस पर शासकीय भवनों पर प्रकाश व्यवस्था 1 नवम्बर 2026 की रात्रि में जिला मुख्यालय स्थित प्रमुख शासकीय भवनों पर भी प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। राज्य शासन के समस्त प्रमुख भवनों पर प्रकाश व्यवस्था करने की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुख की रहेगी। समारोह में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, समाजसेवियों, धर्मगुरुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, मीसाबंदियों, शहीद सैनिकों के परिवारों और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित करने वाले स्व-सहायता समूहों एवं स्टार्टअप के पदाधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। समारोह में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। समस्त कलेक्टर को निर्देश दिये गये हैं कि जिले में स्थापना दिवस समारोह की समस्त तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करते हुए कार्यक्रम का गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें।

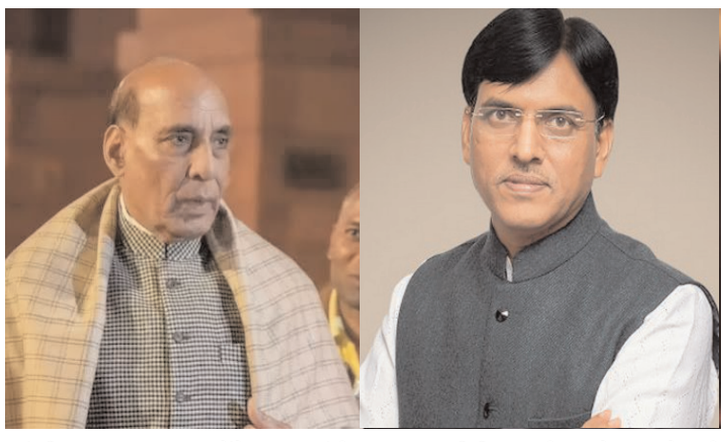
निगम अमले ने न्यू मार्केट के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों से हाकर्स को हटाया और दुकानों का सामान निर्धारित सीमा में रखवाया

भोपाल। नगर पालिक निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को सख्ती से हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार द्वारा प्रात:कालीन भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देशों के परिपालन में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने न्यू मार्केट के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्र में सख्ती के साथ कार्यवाही करते हुए हाकर्स को हटाकर टी.टी.नगर स्टेडियम के पास भेजा तथा दुकानों का सामान निर्धारित सीमा में रखने हेतु दुकानदारों को समझाइश दी और निर्धारित सीमा के बाहर रखा सामान हटाने की कार्यवाही की। इसके अतिरिक्त निगम अमले ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए ठेले, काउंटर, स्टैण्ड, नारियल का बोरा आदि जप्त करने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देष पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने गुरूवार को न्यू मार्केट क्षेत्र के अलावा कोलार चूना भट्टी, स्वर्ण जयंती पार्क, ललिता नगर, मंगलम शोरूम, त्रिलंगा, होषंगाबाद रोड, शक्ति नगर, साकेत नगर, आईएसबीटी बस स्टेण्ड, एम.पी. नगर, चार इमली, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, वल्लभ भवन, जेल रोड, रोषनपुरा चौराहा, जहांगीराबाद, बरखेड़ी, नरेला जोड़, प्रभात चौराहा, अषोका गार्डन परिक्रमा पार्क, खजूरी रोड, गोपाल नगर, लोहा बाजार, पुराना आरटीओ, व्ही.आई.पी. रोड, लालघाटी चौराहा, आषाराम तिराहा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही की। निगम अमले ने विशेष टीम लगाकर प्रात: 11:00 बजे से सांय 07:00 बजे तक न्यू मार्केट के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों से रेहड़ी पटरी, ठेला आदि लगाने वालों को हटाया और टी.टी.नगर स्टेडियम के पास हाट बाजार में निर्धारित स्थल पर ही व्यवसाय करने की समझाइश दी। निगम अमले ने न्यू मार्केट के समस्त दुकानों के बाहर निर्धारित सीमा में सामान रखने की समझाइश भी दुकानदारो को दी और निर्धारित सीमा के बाहर रखा सामान भी हटाया।



भोपाल में राजनाथ सिंह और इंदौर में मांडविया देंगे एसआईआर पर जवाब

आज इंदौर में पदयात्रा,2 नवंबर को जबलपुर और 4 को भोपाल में होंगी सभा



भोपाल। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कांग्रेस के आंदोलनों के जवाब में भाजपा मध्य प्रदेश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चलाएगी। इसके तहत इंदौर,जबलपुर और भोपाल में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। एक सप्ताह के भीतर होने वाले इन आयोजनों में केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को शामिल करने की तैयारी है। भाजपा इन पदयात्राओं के जरिए एसआईआर, मतदाता सूची की शुद्धता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता के मुद्दे पर कांग्रेस को जवाब देने की रणनीति बना रही है। अभियान की पहली बड़ी पदयात्रा 30 अक्टूबर को इंदौर में निकाली जाएगी। यह यात्रा सुभाष नगर से पाटनीपुरा चौराहे तक प्रस्तावित है। इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य वक्ता होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव,भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी शामिल होंगे। जबलपुर में 2 नवंबर को पदयात्रा आयोजित की जाएगी। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह या भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को बुलाने की तैयारी है। हालांकि,इनमें से किस नेता का कार्यक्रम तय होगा,इसकी पुष्टि होना बाकी है। भोपाल में 4 नवंबर को पदयात्रा प्रस्तावित है। इसका मार्ग अटल पथ से रोशनपुरा चौराहे तक रहेगा। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शामिल होने की संभावना है। तीनों शहरों के कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी भी प्रस्तावित है। भाजपा के आधिकारिक परिपत्र के मुताबिक,लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ' अभियान 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा। इसके तहत पदयात्राओं के अलावा प्रेस कॉन्फ्रेंस, प्रमुख नागरिकों के साथ संवाद,युवा और विद्यार्थी कार्यक्रम तथा सोशल मीडिया अभियान भी आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का उद्देश्य एसआईआर के समर्थन में जनमत तैयार करना और मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देना है। आज सीएम डॉ मोहन यादव और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान निजी विमान के जरिए एकसाथ भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। सीएम मोहन यादव आज दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकातें करेंगे।

निगम आयुक्त ने सौन्दर्यीकरण संबंधी कार्य शीघ्रता से सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई सहित निगम द्वारा नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और आवागमन की सुगमता व सुरक्षा के दृष्टिगत सड़कों के लेफ्ट टर्न सहित अन्य मोड़ों को क्लीयर रखकर रोड मार्किंग कराये और टर्न पर जाली आदि लगवाये। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने फुटपाथ, सेन्ट्रल वर्ज, साईड वर्ज आदि के किनारों से धूल-मिट्टी उठाकर बेहतर साफ-सफाई कराने व धुलाई कराने, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों से सी.एंड.डी. वेस्ट हटाने एवं पौधे आदि की कटाई-छटाई कर सौन्दर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने न्यू मार्केट क्षेत्र में पड़े मलबे को हटाने, दुकानों के सामने पीली लाईन डालकर दुकानदारों को सीमा में दुकानों का संचालन करने, अतिक्रमण कर बनाये गये टपरे एवं ठेलों से पत्नी आदि हटाने, गुमठियों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने न्यू मार्केट पार्किंग के सामने गंदगी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी को चेतावनी भी दी। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अमन मिश्रा, श्री अभिषेक सिंह, मुख्य अभियंता श्री संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर.जरोलिया सहित निगम के अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।



निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने गुरूवार को प्रात: चार इमली, प्रणामी मंदिर, लिंक रोड नं. 02, अटल पथ, प्लेटेनियम प्लाजा, न्यू मार्केट, सेन्ट्रल पाइंट, लाल घाटी, एयरपोर्ट आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने चार इमली प्रणामी मंदिर के लेफ्ट टर्न पर दुर्घटना से बचाव हेतु टर्निंग की साफ-सफाई कराने व नाले पर जाली लगाकर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने अटल पथ प्लेटेनियम प्लाजा चौराहा क्षेत्र से धूल मिट्टी उठवाने, संपूर्ण अटल पथ की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने, पेड़-पौधों की कटाई-छटाई एवं सफाई के साथ धुलाई भी कराने के निर्देश दिए।